पेज : 2

पेज : 6

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

सबसे बड़ी खबर

भव्य खबर

RNI No.- DELHIN/2016/68043

नई दिल्ली संस्करण, नई दिल्ली, बुधवार, 19 मार्च 2025, वर्ष : 8, अंक : 353 पृष्ठ : 08, मूल्य : 02 रुपया

नई दिल्ली से प्रकाशित व दिल्ली, एनसीआर, यूपी, उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, बिहार, झारखण्ड, महाराष्ट्र, गुजरात में प्रसारित

सुप्रीम कोर्ट ने दंगा मामले में दिल्ली हाईकोर्ट से मांगी रिपोर्ट, राज्य सरकार को दिया ये निर्देश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार को 1984 के सिख विरोधी दंगों से संबंधित चार लंबित संज्ञान समीक्षा याचिकाओं पर प्रगति रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। उच्च न्यायालय ने खारिज कर दिया था न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने केंद्र और दिल्ली सरकार को उन मामलों के खिलाफ विशेष अनुमति याचिकाएं (एसएलपी) दायर करने का भी निर्देश दिया, जिन्हें पहले दिल्ली उच्च न्यायालय ने खारिज कर दिया था। मामले की अगली सुनवाई अब 25 मार्च को होगी। अदालत 2016 में एस. गुरलाद साह कहलों द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें 1984 के दंगों के दौरान हुए 51 हत्या मामलों की जांच की मांग की गई थी। 17 फरवरी को पिछली सुनवाई में सर्वोच्च न्यायालय ने निर्देश दिया था कि विभिन्न एसएलपी मुख्य न्यायाधीश के समक्ष प्रस्तुत की जाएं ताकि उन्हें कहलों द्वारा दायर वर्तमान याचिका के साथ संलग्न किया जा सके।

लोकसभा में पीएम मोदी ने महाकुंभ पर दिया जोरदार भाषण, राज्य सभा में गरजीं सोनिया गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी): लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा महाकुंभ पर वक्तव्य दिए जाने के बाद विपक्षी सदस्यों ने उनके भाषण में प्रयागराज भगदड़ में मारे गए लोगों का उल्लेख नहीं होने तथा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को बोलने का अवसर देने की मांग करते हुए सदन में हंगामा किया जिसके कारण सदन की कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद बुधवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। हम आपको बता दें कि सदन में प्रश्नकाल पूरा होने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने महाकुंभ को लेकर एक वक्तव्य दिया जिसमें इस आयोजन को भारत के इतिहास में अहम मोड़ करार देते हुए उन्होंने कहा कि दुनिया ने देश के विराट स्वरूप को देखा और यह सबका प्रयास का साक्षात स्वरूप भी था, जिसमें ह्यएकता का अमृतह्ल समेत कई अमृत

निकले। प्रधानमंत्री का वक्तव्य पूरा होते ही विपक्षी सदस्यों ने सवाल-जवाब की मांग करते हुए और प्रयागराज में भगदड़ में मारे गए लोगों का उल्लेख नहीं किए जाने का हवाला देते हुए हंगामा शुरू कर दिया। काग्रेस और उसके सहयोगी दलों के सदस्य चाहते थे कि राहुल गांधी को सदन में बोलने का मौका दिया जाए। इस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि नियम 372 के तहत प्रधानमंत्री और मंत्री स्वेच्छा से सदन में वक्तव्य दे सकते हैं और उस पर कोई सवाल-जवाब नहीं होता है। इस पर असंतोष जताते हुए विपक्षी सदस्य आसन के निकट पहुंचकर नारेबाजी करने लगे। हंगामे के कारण बिरला ने दोपहर करीब 12.30 बजे सदन की कार्यवाही एक बजे तक के लिए स्थगित कर दी। सदन की कार्यवाही फिर से शुरू होने पर विपक्ष

विपक्षी सदस्य आसन के निकट पहुंचकर नारेबाजी करने

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि नियम 372 के तहत प्रधानमंत्री और मंत्री स्वेच्छा से सदन में वक्तव्य दे सकते हैं और उस पर कोई सवाल-जवाब नहीं होता है। इस पर असंतोष जताते हुए विपक्षी सदस्य आसन के निकट पहुंचकर नारेबाजी करने

का हंगामा जारी रहा। नारेबाजी के बीच ही, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रेल मंत्रालय के नियंत्रणाधीन अनुदानों की मांगों पर चर्चा का जवाब दिया। उनके जवाब के बाद सदन ने इन्हें ध्वनिमत से मंजूरी दी। इसके बाद, पीठासीन सभापति संध्या राय ने जलशक्ति मंत्रालय के नियंत्रणाधीन अनुदानों की मांग पर चर्चा शुरू करवाई और भाजपा सांसद जगदंबिका पाल बोलने के लिए खड़े हुए, लेकिन विपक्ष के सांसदों की जोरदार नारेबाजी जारी रही। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि विपक्ष के लोग सदन से बाहर कहते हैं कि उन्हें बोलने का मौका मिलना चाहिए, जबकि सदन के अंदर आकर वे हंगामा करते हैं। उन्होंने कहा कि चर्चा के बाद जब मंत्री जवाब देते हैं तो विपक्ष के लोग उन्हें सुनना नहीं चाहते। हंगामा नहीं थमने पर संध्या राय ने लगभग दो बजे सदन की कार्यवाही बुधवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। इससे पहले अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले दिनों उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में हुए महाकुंभ को भारत के इतिहास में अहम मोड़ करार देते हुए लोकसभा में कहा कि दुनिया ने देश के विराट स्वरूप को देखा और यह सबका प्रयास का साक्षात स्वरूप भी था, जिसमें एकता का अमृत समेत कई अमृत निकले।

हम आपको यह भी बता दें कि लोकसभा में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रेलवे में रोजगार और रेल भर्ती परीक्षाओं को लेकर विपक्ष की चिंताओं को खारिज करते हुए लोकसभा में कहा कि पिछले एक दशक में रेलवे में पांच लाख रोजगार दिए गए हैं और इसमें आरक्षण के सभी नियमों का पालन किया गया है।

विकसित महाराष्ट्र का लक्ष्य हासिल करने के लिए बुनियादी ढांचे और कृषि को प्राथमिकता: अजित पवार

महाराष्ट्र (एजेंसी): महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने सोमवार को कहा कि महायुति सरकार ने विकसित महाराष्ट्र के लक्ष्य को हासिल करने के लिए कृषि, उद्योग, रोजगार सृजन और कल्याणकारी योजनाओं के साथ-साथ बुनियादी ढांचे के विकास को प्राथमिकता दी है। राज्य के बजट 2025-26 पर विधानसभा में चर्चा का जवाब देते हुए पवार ने कहा कि बड़े सपने देखने और बड़े विकास लक्ष्यों को हासिल करने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति की जरूरत होती है। अजित पवार के पास राज्य के वित्त विभाग की भी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि महायुति सरकार में ताकत और राजनीतिक इच्छाशक्ति है। उन्होंने कहा कि यदि सड़क अवसंरचना और

नेटवर्क का विस्तार किया जाए, तो उद्योगों की उत्पादकता बढ़ेगी, किसानों को परिवहन पर कम खर्च उठाना पड़ेगा, ईंधन की बचत होगी और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। पवार ने कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) प्रौद्योगिकी राज्य में कृषि को नया जीवन देगी और किसानों को समृद्ध बनाएगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना जारी रहेगी और अयोग्य लाभार्थियों को हस्तांतरित धन वापस नहीं लिया जाएगा। पवार ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में कई महिलाओं ने छोटे व्यवसाय शुरू करने के लिए 1,500 रुपये का इस्तेमाल शुरूआती पूंजी के तौर पर किया है, और कई महिलाओं ने यह अपील किये जाने के बाद उज्ज्वला गैस योजना का लाभ छोड़ दिया है कि यह योजना समाज के गरीब वर्गों के लिए है। उन्होंने कहा, अगर ऐसी महिलाओं को सशक्त बनाया जाता है, तो राज्य की अर्थव्यवस्था को लाभ होगा। ह्ल मंत्री ने कहा कि सरकार के कृषि विकास पर ध्यान केंद्रित करने के कारण, इस क्षेत्र की वृद्धि दर 2024-25 में बढ़कर 8.7 प्रतिशत तक पहुंच गई, जबकि 2023-24 में यह 3.3 प्रतिशत थी। उन्होंने कहा कि एआई प्रौद्योगिकी फसल प्रबंधन मार्गदर्शन प्रदान करेगी और उत्पादकता बढ़ाएगी।

हुड्डा सरकार में हुई भर्ती में धांधली पर विधानसभा में हंगामा, सीएम सैनी बोले- टॉपर की जगह रिश्तेदार को दी नौकरी

चंडीगढ़ (एजेंसी): पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा सरकार के समय 2008-2009 में हुई पुलिस इंस्पेक्टर की भर्ती को लेकर मंगलवार को विधानसभा में जमकर हंगामा हुआ। भाजपा ने नौकरियों में भाई-भतीजावाद करने और पर्ची-खर्ची के मुद्दे पर कांग्रेस को घेरा। इस मुद्दे पर दोनों पक्षों के बीच काफी देर तक टकराव हुआ, जिससे सदन की कार्यवाही करीब 15 मिनट तक रुकी रही। तनावपूर्ण स्थिति के बीच पूर्व स्पीकर डॉ. रघुबीर सिंह कादियान की विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण के साथ तीखी बहस भी हुई। कांग्रेस विधायकों ने किया वॉकआ बिजली मंत्री अनिल विज की हुड्डा के प्रति की गई टिप्पणी से और भी गरमा गया। नारेबाजी करते हुए कांग्रेस के कई विधायक स्पीकर के आसन के सामने

पहुंच गए। इस मुद्दे पर कांग्रेसियों ने वॉकआउट भी किया। जब यह पूरा विवाद हुआ, उस समय पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा सदन में मौजूद नहीं थे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भी कांग्रेस सरकार में नौकरियों की बंटरबांट होने के आरोप लगाए। गुस्से में नजर आए स्पीकर सदन में हुई तीखी बहस और नारेबाजी को लेकर दोनों पक्षों को फटकार लगाते भी दिखे। इंस्पेक्टरों की सीधी भर्ती पर सवाल पूर्व मंत्री व नारनौल से भाजपा विधायक ओमप्रकाश यादव ने शून्यकाल में पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट द्वारा इस भर्ती को दिए गए फैसले और टिप्पणी को सदन में उठाया। यादव ने कहा कि पूर्व की कांग्रेस सरकार में हुई 20 पुलिस इंस्पेक्टरों की सीधी भर्ती में मुख्यमंत्री और मंत्रियों के भतीजों सहित दूसरे नेताओं के रिश्तेदारों का चयन किया गया। परीक्षा के टॉपर अभ्यर्थी का नाम लिस्ट से फ्ल्यूड से काटकर लिस्ट में सबसे नीच रख दिया गया। कांग्रेस ने इसका विरोध किया तो संसदीय कार्य मंत्री महीपाल सिंह ढांडा ने कहा कि हर मुद्दे पर अखबार लेकर सदन में आने वाले कांग्रेसी आज का अखबार क्यों नहीं लेकर आए। वे अब क्यों नहीं अखबार सदन में लहरा रहे और यह बता रहे कि कांग्रेस राज में किस तरह से भर्तियों में धांधली होती थी। विवाद अधिक बढ़ा तो मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हाई कोर्ट के फैसले से एक बार फिर स्पष्ट हो गया है कि कांग्रेस राज में नौकरियों में बंदरबांट होती थी। जो बच्चा टॉपर था

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के छात्रों को संबोधित करेंगे नीतीश कुमार, बिहार के विकाश पर होगी चर्चा

पटना/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव । यूएस के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान हार्वर्ड यूनिवर्सिटी ने बिहार के मुख्यमंत्री को न्योता भेजा है। इस आमंत्रण में सीएम से अप्रैल महीने में ऑनलाइन संवाद करने का समय मांगा गया है। इस बात की जानकारी जदयू सांसद संजय झा ने दी है। सांसद के मुताबिक, हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में सीएम नीतीश कुमार से बिहार के विकास और उनके विजन पर चर्चा की जाएगी। मीडिया से बात करते जनता दल (यू) के सांसद संजय झा ने बताया कि इस चर्चा में अगले दस साल के लिए बिहार के विकास की दिशा और सीएम नीतीश का विजन प्रमुख मुद्दा होगा। वे यह भी बताएंगे कि किस तरह बिहार एक समय में बीमारू राज्य था और अब यह एक उभरते हुए केंद्र के रूप में सामने

संजय झा ने बताया है कि हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के छात्रों ने सीएम नीतीश से अप्रैल के महीने में ऑनलाइन समय मांगा है। सांसद ने यह भी बताया कि इस कार्यक्रम में सीएम बिहार के विकास और विजन पर चर्चा करेंगे

आ रहा है। इस दौरान खासतौर पर इन्फ्रास्ट्रक्चर, गवर्नेंस और बिहार के आर्थिक विकास को लेकर चर्चा की जाएगी। इसके साथ ही संजय झा ने कहा कि यह सीएम नीतीश कुमार के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे बिहार के लिए गर्व की बात है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी ने उनके नेतृत्व में किए गए विकास कार्यों पर चर्चा करने के लिए यह आमंत्रण भेजा है।

आधार और वोटर आईडी जोड़ने पर निर्वाचन आयोग का बड़ा फैसला

नई दिल्ली/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव । आधार और वोटर आईडी को जोड़ने का रास्ता साफ हो गया है. मंगलवार को हुई एक अहम बैठक में देश के निर्वाचन आयोग ने इन दोनों को आपस में जोड़ने की अनुमति दे दी है. इस संबंध में चुनाव आयोग की ओर से बयान जारी कर कहा गया है कि संविधान के अनुच्छेद 326 और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 23(4), 23(5)और23(6)के अनुसार ईपीआईसी को आधार से जोड़ा जाएगा. इससे पहले सरकार ने पैन कार्ड को आधार से जोड़ने का फैसला किया था. बयान में कहा गया है कि निर्वाचन आयोग 1950 के जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 326 और सर्वोच्च न्यायालय के संबंधित निर्णयों के अनुसार ईपीआईसी को आधार से जोड़ने के लिए कदम उठाएगा. सीईसी ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में निर्वाचन सदन में ईसी डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी के साथ आज केंद्रीय गृह सचिव- विधायी विभाग के सचिव, एमईआ-ईटीवाई के सचिव और यूआईड-ीएआई के सीईओ और ईसीआई के तकनीकी विशेषज्ञों के साथ बैठक की.

मतदान का अधिकार केवल भारत के नागरिकों को ही मिलता है

भारत के संविधान के अनुच्छेद 326 के अनुसार, मतदान का अधिकार केवल भारत के नागरिक को दिया जा सकता है, आधार कार्ड केवल एक व्यक्ति की पहचान स्थापित करता है.

इसलिए यह निर्णय लिया गया कि ईपीआईसी को आधार से जोड़ने का काम संविधान के अनुच्छेद 326, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 23(4), 23(5) और 23(6) के प्रावधानों के अनुसार और डब्ल्यूपी (सिविल) संख्या 177/2023 में सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के अनुरूप ही किया जाएगा. अब यूआईडीएआई और ईसीआई के तकनीकी विशेषज्ञों के बीच तकनीकी परामर्श जल्द ही शुरू किया जाएगा.

फर्जी वोटरों की पहचान में मिलेगी मदद

दरअसल, चुनाव आयोग ने हाल ही में फैसला लिया था कि वो अगले तीन महीने के भीतर डुप्लिकेट नंबर वाले वोटर आ-ईडी को नए एढक्ठ नंबर जारी करेगा. चुनाव आयोग ने कहा थआ कि डुप्लिकेट नंबर होने का मतलब फर्जी वोटर नहीं है. आधार को EPIC से जोड़ने के पीछे का मुख्य उद्देश्य वोटर लिस्ट में गड़बड़ी को दूर करना और उसे साफ सुथरा बनाना है. चुनाव आयोग का मानना है कि इस कदम से फर्जी वोटरों की पहचान करने में मदद मिलेगी.आधार को वोटर आईडी से जोड़ने के पीछे दूसरी वजह ये भी कि इससे फर्जी वोटिंग पर लगाम लगाई जा सकती है. इस व्यवस्था के अमल में आ जाने के बाद एक व्यक्ति के कई जगह वोट डालने की संभावना खत्म हो जाएगी और चुनावी प्रक्रिया और भी पारदर्शी हो सकेगी.

भारत से कम या ज्यादा, पाकिस्तान-श्रीलंका में कितना है रेल किराया? अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली (एजेंसी): रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने विपक्ष को रेलवे और रक्षा पर राजनीति से परहेज करने और भ्रामक बयान से बचने की नसीहत देते हुए दावा किया कि रेलवे में पिछले एक दशक के दौरान पांच लाख से अधिक लोगों को नौकरियां दी गई हैं। साथ ही वर्तमान में एक लाख नियुक्ति की प्रक्रिया भी चल रही है। उन्होंने कहा कि रक्षा एवं रेलवे मंत्रालय देश की जीवनरेखा और रीढ़ की हड्डी हैं। रेल मंत्रालय के कामकाज पर राज्यसभा में सोमवार को चर्चा का जवाब देते हुए वैष्णव ने कहा कि विपक्ष का आरोप है कि रेलवे में भर्तियां नहीं हुई हैं जो 'भ्रामक' है। भारत में रेल किराया कम उन्होंने दावा किया कि पड़ोसी देशों की तुलना में भारत में रेल किराया कम है। प्रथम 350 किलोमीटर की यात्रा के हिसाब से देखें तो भारत में सामान्य श्रेणी का किराया सिर्फ 121 रुपये है। पाकिस्तान में 400 रुपये और श्रीलंका में 413 रुपये है। पश्चिमी देशों में रेल किराया तो भारत की अपेक्षा 10-20 गुना अधिक है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2020 से रेल किराए में वृद्धि नहीं हुई है। वैष्णव ने रेलवे की उपलब्धियां भी गिनाई। कहा कि माल ढुलाई की क्षमता में अभी रेलवे सिर्फ चीन और अमेरिका से पीछे है। जल्द ही 1.6 अरब टन माल ढुलाई की क्षमता के साथ तीन शीर्ष देशों में शामिल हो जाएगा। रेलमंत्री

ने विपक्ष के उस आरोप को नकार दिया, जिसमें जनरल डिब्बों की संख्या घटाने और रेल किराया बढ़ाने की बात थी। उन्होंने कहा कि रेलवे माल ढुलाई से कमाता है और यात्रियों को सब्सिडी देता है। उन्होंने दावा किया कि प्रति यात्री लागत प्रति किलोमीटर 1.38 रुपये है जबकि यात्रियों से सिर्फ 72 पैसे ही लिए जाते

रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने विपक्ष को नसीहत दी। रेल मंत्री ने कहा कि भारत में रेल किराया पड़ोसी देशों की तुलना में काफी कम है। रेल मंत्री ने कहा कि रेलवे और रक्षा पर राजनीति नहीं की जानी चाहिए।

हैं। वर्ष लगभग 2023-24 में 57 हजार करोड़ रुपए यात्री सब्सिडी के रूप में दिए गए। आम लोगों का ख्याल करते हुए अनारक्षित एवं गैर-वातानुकूलित डिब्बे बढ़ाए जा रहे हैं। अभी गैर-वातानुकूलित एवं वातानुकूलित डिब्बों की संख्या 70:30 के अनुपात में है। रेलवे 17 हजार से अधिक गैर-वातानुकूलित डिब्बे तैयार कर रहा है, जिन्हें विभिन्न ट्रेनों में लगाया जाएगा।रेलमंत्री ने विपक्ष शासित राज्यों में विभिन्न परियोजनाओं को पूरा करने के लिए संबंधित राज्य सरकारों से मदद मांगी। रेलवे भर्तियों में भ्रष्टाचार के आरोपों को खारिज किया और भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी बताते हुए कहा कि रेलवे की 40 प्रतिशत कार्य क्षमता युवा है। उन्होंने कहा कि अभी रेलवे में 12 लाख कर्मचारी हैं, जिनमें पांच लाख ऐसे हैं, जिनकी नियुक्ति पिछले दस वर्षों में की गई है। भारत कर रहा लोकोमोटिव का निर्यात रेलमंत्री ने बताया कि बिहार के मढौरा कारखाने में बने लोकोमोटिव का निर्यात जल्द शुरू होगा। इस वर्ष 1,400 लोकोमोटिव का निर्माण हुआ है, जो अमेरिका और यूरोप के संयुक्त उत्पादन से अधिक है। पैसेंजर कोच बांग्लादेश और श्रीलंका निर्यात किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया किलोकोमोटिव भी श्रीलंका, म्यांमार और बांग्लादेश को जा रहे हैं। बोगी के अंडर-फ्रेम यूनाइटेड किंगडम, सऊदी अरब, फ्रांस और आस्ट्रेलिया को और प्रपल्शन पार्ट्स फ्रांस, मैक्सिको, जर्मनी, स्पेन, रोमानिया और इटली को निर्यात किए जा रहे हैं।

ट्रम्प प्रशासन द्वारा टैरिफ सम्बंधी लिए जा रहे निर्णयों का भारत पर प्रभाव

प्रहलाद सबनानी

ट्रम्प प्रशासन अमेरिका में विभिन्न उत्पादों के हो रहे आयात पर टैरिफ की दरों को बढ़ा रहा है क्योंकि इन देशों द्वारा अमेरिका से आयात पर ये देश अधिक मात्रा में टैरिफ लगाते हैं। चीन, कनाडा एवं मेक्सिको से अमेरिका में होने वाले विभिन्न उत्पादों के आयात पर तो टैरिफ को बढ़ा भी दिया गया है। इसी प्रकार भारत के मामले में भी ट्रम्प प्रशासन का मानना है कि भारत, अमेरिका से आयातित कुछ उत्पादों पर 100 प्रतिशत तक का टैरिफ लगाता है अतः अमेरिका भी भारत से आयात किए जा रहे कुछ उत्पादों पर 100 प्रतिशत का टैरिफ लगाएगा।

अमेरिका में दिनांक 20 जनवरी 2025 को नव निर्वाचित राष्ट्रपति श्री डॉनल्ड ट्रम्प द्वारा ली गई शपथ के उपरांत ट्रम्प प्रशासन आर्थिक एवं अन्य क्षेत्रों में कई महत्वपूर्ण फैसले बहुत तेज गति से ले रहा है। इससे विश्व के कई देश प्रभावित हो रहे हैं एवं कई देशों को तो यह भी समझ में नहीं आ रहा है कि अंततः आगे आने वाले समय में इन फैसलों का प्रभाव इन देशों पर किस प्रकार होगा।

ट्रम्प प्रशासन अमेरिका में विभिन्न उत्पादों के हो रहे आयात पर टैरिफ की दरों को बढ़ा रहा है क्योंकि इन देशों द्वारा अमेरिका से आयात पर ये देश अधिक मात्रा में टैरिफ लगाते हैं। चीन, कनाडा एवं मेक्सिको से अमेरिका में होने वाले विभिन्न उत्पादों के आयात पर तो टैरिफ को बढ़ा भी दिया गया है। इसी प्रकार भारत के मामले में भी ट्रम्प प्रशासन का मानना है कि भारत, अमेरिका से आयातित कुछ उत्पादों पर 100 प्रतिशत तक का टैरिफ लगाता है अतः अमेरिका भी भारत से आयात किए जा रहे कुछ उत्पादों पर 100 प्रतिशत का टैरिफ लगाएगा। इस संदर्भ में हालांकि केवल भारत का नाम नहीं लिया गया है बल्कि 'टिट फोर टेट' एवं 'रेसिप्रोकल' आधार पर कर लगाने की बात की जा रही है और यह समस्त देशों से अमेरिका में हो रहे आयात पर लागू किया जा सकता है एवं इसके लागू होने की दिनांक भी 2 अप्रेल 2025 तय कर दी गई है। इस प्रकार की नित नई घोषणाओं का असर अमेरिका सहित विभिन्न देशों के पूंजी (शेयर) बाजार पर स्पष्टतः दिखाई दे रहा है एवं शेयर बाजारों में डर का माहौल बन गया है।

अमेरिका में उपभोक्ता आधारित उत्पादों का आयात अधिक मात्रा में होता है और अब अमेरिका चाहता है कि इन उत्पादों का उत्पादन अमेरिका में ही प्रारम्भ हो ताकि इन उत्पादों का अमेरिका में आयात कम हो सके। दक्षिण कोरीया, जापान, कनाडा, मेक्सिको आदि जैसे देशों की अर्थव्यवस्था केवल कुछ क्षेत्रों पर ही टिकी हुई है अतः इन देशों पर अमेरिका में बदल रही नीतियों का अधिक विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। जबकि भारत एक विविध प्रकार की बहुत बड़ी अर्थव्यवस्था है, अतः भारत को कुछ क्षेत्रों में यदि नुक्सान होगा तो कुछ क्षेत्रों में लाभ भी होने की प्रबल सम्भावना है। संभवतः अमेरिका ने भी अब यह एक तरह से स्वीकार कर लिया है कि भारत के कृषि क्षेत्र को टैरिफ युद्ध से बाहर रखा जा सकता है, क्योंकि भारत के किसानों पर इसका प्रभाव विपरीत रूप से पड़ता है। और, भारत यह किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं करेगा कि भारत के किसानों को नुक्सान हो। डेरी उत्पाद एवं समुद्रीय उत्पादों में भी आवश्यक खाने पीने की वस्तुएं शामिल हैं। भारत अपने

देश में इन उत्पादों के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए उद्देश्य से इन उत्पादों के आयात पर टैरिफ लगाता है, ताकि अन्य देश सस्ते दामों पर इन उत्पादों को भारत के बाजार में डम्प नहीं कर सकें। साथ ही, भारत में मिडल क्लास की मात्रा में वृद्धि अभी हाल के कुछ वर्षों में प्रारम्भ हुई है अतः यह वर्ग देश में उत्पादित सस्ती वस्तुओं पर अधिक निर्भर है, यदि इन्हें आयातित महंगी वस्तुएं उपलब्ध कराई जाती हैं तो वह इन्हें सहन नहीं कर सकता है। अतः यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वह अपने नागरिकों को सस्ते उत्पाद उपलब्ध करवाए। अन्यथा, यह वर्ग एक बार पुनः गरीबी रेखा के नीचे आ जाएगा। भारत ने मुद्रा स्फीति को भी कूटनीति के आधार पर नियंत्रण में रखने में सफलता प्राप्त की है। रूस, ईरान, अमेरिका, इजराईल, चीन, अरब समूह आदि देशों के साथ अच्छे सम्बंध रखकर विदेशी व्यापार करने में सफलता प्राप्त की है। जहां से भी जो वस्तु सस्ती मिलती है भारत उस देश से उस वस्तु का आयात करता है। इसी नीति पर चलते हुए, कच्चे तेल के आयात के मामले में भी भारत ने विभिन्न देशों से भारी मात्रा में छूट प्राप्त करने में सफलता प्राप्त की है और ईंधन के दाम भारत में पिछले लम्बे समय से स्थिर बनाए रखने में सफलता मिली है।

अमेरिका द्वारा चीन, कनाडा एवं मेक्सिको पर लगाए गए टैरिफ के बढ़ाने के पश्चात इन देशों द्वारा भी अमेरिका से आयातित कुछ उत्पादों पर टैरिफ लगा दिए जाने के उपरांत अब विभिन्न देशों के बीच व्यापार युद्ध एक सच्चाई बनता जा रहा है। परंतु, क्या इसका असर भारत के विदेशी व्यापार पर भी पड़ने जा रहा है अथवा क्या कुछ ऐसे क्षेत्र भी ढूढे जा सकते हैं जिनमें भारत लाभप्रद स्थिति में आ सकता है। जैसे, अपैरल (सिले हुए कपड़े) एवं नान अपैरल टेक्सटायल का मेक्सिको से अमेरिका को निर्यात प्रतिवर्ष लगभग 450 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रहता है और मेक्सिको का अमेरिका को निर्यात के मामले में 8वां स्थान है। अमेरिका द्वारा मेक्सिको से आयात पर टैरिफ लगाए जाने के बाद टेक्सटायल से सम्बंधित उत्पाद अमेरिका में महंगे होने लगेंगे अतः इन उत्पादों का आयात अब अन्य देशों से किया जाएगा। मेक्सिको अमेरिका को 250 करोड़ अमेरिकी डॉलर के कॉटन अपैरल का निर्यात करता है एवं 150 करोड़ अमेरिकी डॉलर के नान कॉटन अपैरल का निर्यात करता है। कॉटन अपैरल के आयात के लिए अब अमेरिकी व्यापारी भारत की ओर देखने लगे हैं एवं इस संदर्भ में भारत के निर्यातकों के पास पूछताछ की मात्रा में वृद्धि देखी जा रही है। इन परिस्थितियों के बीच, टेक्स्टायल उद्योग के साथ ही, फार्मा क्षेत्र, सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र, इंजीयरिंग क्षेत्र एवं श्रम आधारित उद्योग जैसे क्षेत्रों में भी भारत को लाभ हो सकता है।

यदि अमेरिका अपने देश में हो रहे उत्पादों के आयात पर टैरिफ में लगातार वृद्धि करता है तो यह उत्पाद अमेरिका में बहुत महंगे हो जाएंगे और इससे अमेरिकी नागरिकों पर मुद्रा स्फीति का दबाव बढ़ेगा। क्या अमेरिकी नागरिक इस व्यवस्था को लम्बे समय तक सहन कर पाएंगे। उदाहरण के तौर पर फार्मा क्षेत्र में भारत से जेनेरिक्स दवाईयों का निर्यात भारी मात्रा में होता है। यदि अमेरिका भारत के उत्पादों पर टैरिफ लगाता है तो इससे अधिक नुक्सान तो अमेरिकी नागरिकों को ही होने जा रहा है। भारत से आयात की जा रही सस्ती दवाएं अमेरिका में बहुत महंगी हो जाएंगी। इससे अंततः अमेरिकी नागरिकों के बीच असंतोष फैल सकता है। अतः अमेरिका के ट्रम्प प्रशासन के लिए टैरिफ को लम्बे समय तक बढ़ाते जाने की अपनी सीमाएं हैं।

अमेरिका विश्व का सबसे पुराना लोकतंत्र एवं सबसे बड़ा विकसित देश है और इस नाते अन्य देशों के प्रति अमेरिका की जवाबदारी भी है। टैरिफ बढ़ाए जाने के सम्बंध में इक तरफा कार्यवाही अमेरिका की अन्य देशों के साथ सौदेबाजी की क्षमता तो बढ़ा सकती है परंतु यह कूटनीति लम्बे समय तक काम नहीं आ सकती है। अमेरिकी नागरिकों के साथ साथ अन्य देशों में भी असंतोष फैलेगा। कोई भी व्यापारी नहीं चाहता कि नीतियों में अस्थिरता बनी रहे। इसका सीधा सीधा असर विश्व के समस्त स्टॉक मार्केट पर विपरीत रूप से पड़ता हुआ दिखाई भी दे रहा है। यदि यह स्टॉक मार्केट के अतिरिक्त अन्य बाजारों एवं नागरिकों के बीच में भी फैला तो मंदी की सम्भावनाओं को भी नकारा नहीं जा सकता है। अमेरिका के साथ साथ अन्य कई देश भी मंदी की चपेट में आए बिना नहीं रह पाएंगे। अर्थात, इस प्रकार की नीतियों से विश्व के कई देश विपरीत रूप में प्रभावित होंगे।

अमेरिका को भी टैरिफ के संदर्भ में इस बात पर एक बार पुनः विचार करना होगा कि विकसित देशों पर तो टैरिफ लगाया जा सकता है क्योंकि अमेरिका एवं इन विकसित देशों में परिस्थितियां लगभग समान है। परंतु विकासशील देशों जैसे भारत आदि में भिन्न परिस्थितियों के बीच तुलनात्मक रूप से अधिक परेशानियों का सामना करते हुए विनिर्माण क्षेत्र में कार्य हो रहा है, अतः विकसित देशों एवं विकासशील देशों को एक ही तराजू में कैसे तौला जा सकता है। विकासशील देशों ने तो अभी हाल ही में विकास की राह पर चलना शुरू किया है और इन देशों को अपने करोड़ों नागरिकों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाना है। इनके लिए विकसित देश बनने में अभी लम्बा समय लगना है। अतः विकसित देशों को इन देशों को विशेष दर्जा देकर इनकी आर्थिक मदद करने के लिए आगे आना चाहिए। अमेरिका को विकसित देश बनने में 100 वर्ष से अधिक का समय लग गया है और फिर विकासशील देशों के साथ इनकी प्रतिस्पर्धा कैसे हो सकती है। विकासशील देशों को अपनी अर्थव्यवस्था को बचाने का अधिकार है, अतः विकासशील देश तो टैरिफ लगा सकते हैं परंतु विकसित देशों को इस संदर्भ में पुनर्विचार करने की आवश्यकता है।

संपादकीय

सुविधा और सख्ती

अमृता आर. पंडित

नए आव्रजन विधेयक में जाली पासपोर्ट का उपयोग करने पर सात साल की जेल का प्रस्ताव है। यदि यह संसद द्वारा अनुमोदित हो जाता है तो भारत में प्रवेश करने, रहने या बाहर जाने के लिए जाली पासपोर्ट या वीजा का इस्तेमाल करने वाले को जेल की सजा के साथ दस लाख रुपये तक का जुमार्ना भी हो सकता है।वर्तमान में चार अधिनियमों के माध्यम से प्रशासित किया जा रहा है, पासपोर्ट अधिनियम1920, विदेशियों का पंजीकरण1939,विदेशी अधिनियम 1946 व आव्रजन अधिनियम 2000 को अब निरस्त करने का विचार है। माना जा रहा है, नये विधेयक से कानून सरल होगा तथा करोबार करने मेंआसानी होगी। अवैध प्रवास की समस्या से निपटने में भी यह मददगार साबित होगा। निर्धारित अवधि से अधिक समय तक रहने वाले विदेशियों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए आवश्यक है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, बीते वित्त वर्ष के दौरान 98 लाख से अधिक विदेशी भारत आए थे। विदेशी सैलानियों को पर्यटन के लिए आकर्षित करने के लिए कुछ अरसे से सरकारी स्तर पर किए जा प्रयासों के सकारात्मक असर समाने भी आ रहे हैं, परंतु देश की सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद रखने तथा भारत भ्रमण, शिक्षा या इलाज कराने के लिए आने वालों की सुविधाओं का ख्याल रखते हुए वन विंडो स्कीम भी बनानी चाहिए। नये विधेयक के अनुसार पाकिस्तानियों को आने के चौबीस घंटों के भीतर ही पंजीकरण कराना जरूरी है। इसके अलावा देश के कुछ संरक्षित क्षेत्रों में विदेशियों को जाने के लिए विशेष परमिट की जरूरत होती है, जिनमें अंडमान-निकोबार,जम्मूकश्मीर,उत्तराखंड,हिमाचल व राजस्थान के कुछ हिस्से के साथ ही पूर्वोत्तर के कुछ राज्य शामिल हैं। अभी जब ट्रंप सरकार द्वारा जाली पासपोर्ट वाले घुसपैठियों को वापस भेजा गया था तो कुछ लोगों की त्योरियां चढ़ी थीं, मगर इस तरह विदेश जाने वालों को रोकना भी सरकार का ही जिम्मा है। इससे देश की छवि धूमिल होती है। नियमों को पारदर्शी व सुलभ बनाकर ही देश की अखंडता, संप्रभुता व मौलिक सिद्धांतों की रक्षा की जा सकता है।

फिल्म छावा ने इतिहास के काले पन्नों को उजागर किया

डॉ. राघवेंद्र शर्मा

कभी-कभी फिल्में भी हमारे जीवन में व्यापक प्रभाव डाल जाती हैं। हाल ही में प्रदर्शित हुई छावा फिल्म ने भी एक मजबूत पटकथा के चलते भारतीय जनमानस के मन मस्तिष्क को झकझोर के रख दिया है। इस फिल्म को देखने के बाद देश के वे नागरिक भी मुगल आक्रांताओं की अमानुषिकता से परिचित हुए, जिन्हें किसी कारणवश इतिहास पढ़ने का अवसर नहीं मिला। हालांकि इतिहास के छात्रों और इसमें रुचि रखने वालों को पहले से ही यह मालूम था कि मंगोल से भारत आए लुटेरों ने कैसे सैकड़ो सालों तक इस देश को लूटा। लूटा ही नहीं बल्कि इसे रक्त रंजित भी किया। यह लिखना भी अतियोक्ति नहीं होगी कि उन बहशी लोगों ने अत्याचारों की सभी सीमाएं लांघीं। देश की जिन विभूतियों ने भी ज्यादती, अमानुषिकता और बहशीपन का विरोध किया, उनके साथ तो इतना बर्बर व्यवहार किया गया कि जो देख ले उसी की रूह कांप जाए। फिर अनुमान लगाया जा सकता है कि भारत के जिन महान सपूतों ने यह सब भुगता उन पर क्या बीती होगी। लेकिन धन्य हैं वे माताएं, जिनके सपूतों ने देश का गौरव बचाए रखने के लिए सर तो दे दिए किंतु सार नहीं जाने दिया?।

जी हां, हम बात कर रहे हैं गुरु तेग बहादुर सिंह जी की। सिखों के नौवें गुरु की जान बच सकती थी, बशर्ते वो मुस्लिम धर्म स्वीकार कर लेते। तत्कालीन क्रूर शासक औरंगजेब यही तो चाहता था। वह जानता था कि गुरु तेग बहादुर के घुटने टिकते ही सारा युद्ध थम जाएगा, जो भारतीय अस्मिता को बचाने के लिए गुरु तेग बहादुर जी के नेतृत्व में बड़े पैमाने पर लड़ा जा रहा था। स्वयं गुरुजी साहब को भी यह आभास था कि यदि वह जरा भी लड़खड़ाए तो हर हाल में आजादी पाने की जो आग भारतीय सपूतों के दिलों में धधक उठी है, वह असमय ही शांत हो जाएगी। अतः उन्होंने धर्म खोना स्वीकार नहीं किया, तब भी जबकि उन्हें बार-बार चेताया गया कि यदि तुम हिंदू धर्म को बचाने की जंग नहीं छोड़ोगे तो वीभत्स मौत के भागी बनोगे और यदि मुसलमान बन गए तो तुम्हें माफ कर दिया जाएगा। फिर भी गुरु तेग बहादुर अपने धर्म से नहीं डिगे तो बुरी तरह बौखला उठे औरंगजेब ने उनका शीश धड़ से अलग कर दिया। औरंगजेब की यह एकमात्र क्रूर कहानी नहीं है। उसका तो पूरा जीवन ही भारतीय संस्कृति की आत्मा को लहूलुहान करने वाला रहा है। जहां भी उसे सनातन के गौरवशाली चिन्ह दिखाई दिए, उन्हें ध्वस्त करता चला गया। इससे भी जी नहीं भरा तो उसने एक ऐसे जजिया कर ईजाद किया जो केवल और केवल हिंदुओं द्वारा ही भरा जाना था। जो ना भर सके, उनमें से किसी को दर्दनाक मौत मिली तो किसी के घर की जवान महिलाओं को उठा लिया गया। यानि उसने हर वह काम किया जिससे भारतवर्ष के असल सपूतों को तकलीफ पहुंचती हो। उसकी इन्हीं ज्यादतियों का विरोध हिंदू हृदय सम्राट वीर शिवाजी ने जमकर किया और औरंगजेब को नाकों चने चबाने को मजबूर करते रहे। इस क्रम को उनके वीर सपूत संभाजी राव ने भी बनाए रखा। संभाजी राव तो औरंगजेब को इतना आर्तकित कर चुके थे कि वह जीवन भर उनका सामना तक करने से बचता रहा। यह हाल भी तब था जब वीर संभाजी राव के पास सैनिक केवल हजारों की तादाद में थे तो औरंगजेब के पास लाखों की सेना उपलब्ध रहा करती थी। फिर भी औरंगजेब सीधे-सीधे संभाजी राव से ना भिड़ सका तो उसने चंद गद्दारों को साथ मिलाकर धोखे से संभाजी राव को बंदी बना लिया। लेकिन उसकी यह उत्कंठा फिर भी धरी की धरी रह गई कि कैद में आने के बाद संभाजी महाराज का सिर उसके नापाक पैरों में झुक जाएगा। इस भारतीय स्वाभिमान से औरंगजेब ऐसा बौखलाया कि उसने संभाजी राव को मोटी-मोटी जंजीरों से बंधवाकर उन्हें मौत का भय दिखाया। यह प्रलोभन भी दिया कि मुसलमान बन जाओ तो जान बख्श देंगे। लेकिन शेर के इस वीर सपूत ने भी गुरु तेग बहादुर और वीर शिवाजी महाराज की तरह मरना पसंद किया। लेकिन भारतीय स्वाभिमान को नहीं झुकने दिया। इससे बुरी तरह बौखलाए औरंगजेब ने पूरे 40 दिनों तक पाश्विक अत्याचार का नंगा नाच किया। संभाजी महाराज का ऐसा कोई अंग नहीं बचा जिसे हथियारों से बींधा ना गया हो। आंखें फोड़ दी गईं, खाल खींच ली गई, जीभ निकाल दी गई, नाखूनों को एक-एक करके उखाड़ा गया। इतना सब करने पर भी औरंगजेब संभाजी महाराज को झुके हुए सिर को देखने की लालसा पूरी न कर पाया और इस जद्दोजहद में खुद कायराना मौत का शिकार बन गया।

यह जानकर आश्चर्य होता है कि ऐसे पाश्विक कृत्य के आदी औरंगजेब की हिमायत करने वाले हमारे देश में ही मौजूद हैं और पूरी बेशर्मी के साथ टेलीविजन चैनलों पर उसे रहम दिल, हिंदुओं के मंदिर बनवाने वाला और धर्मनिरपेक्ष शासक साबित करने में जुटे हुए हैं। सबसे बड़ी बात तो यह है कि यह लोग औरंगजेब को मुसलमानियत से जोड़कर पेश कर रहे हैं। उस औरंगजेब को, जिसने राजगद्दी हासिल करने के लिए अपने पिता शाहजहां को कैदखाने में मरने के लिए छोड़ दिया और उसे एक-एक बूंद पानी के लिए तरसा कर रख दिया। इसे शैतानियत नहीं तो और क्या कहेंगे कि औरंगजेब ने अपने भाई का सिर कलम करके उसे थाली में सजाकर पिता के सामने पेश कर दिया। आखिर ऐसे व्यक्ति को कोई मुसलमान अथवा इंसान भी कैसे मान सकता है। लेकिन यह शर्मनाक हरकत अवसरवादी नेता और मुस्लिम जमात के कुछ स्वयंभू ठेकेदार डंके की चोट पर कर रहे हैं। क्योंकि उन्हें लगता है, औरंगजेब का महिमा मंडन करने से मुसलमान खुश हो जाएंगे और उन्हें अपने पक्ष में एक मजबूत वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया जा सकेगा। अपवाद छोड़ दें तो आम मुस्लिम समाज की ओर से ऐसी बेजा हरकतों का स्पष्ट विरोध तक नहीं होता। इससे हिंदुओं का भय दिखाकर मुसलमानों को बरगलाने वाले कट्टरवादियों की हिम्मत बढ़ती चली जाती है। अतः आवश्यकता इस बात की है कि मुसलमान भाइयों को भी गलत को गलत कहने की शुरूआत करनी चाहिए। उन्हें यह समझना होगा कि उनके तुष्टिकरण की आड़ में उन्हीं की जमात के कुछ ठेकेदार सत्ता लोलुप तथा कथित धर्मनिरपेक्ष नेताओं के साथ मिलकर दलाली कमाने में लगे हुए हैं। जबकि उनका मुसलमानों की भलाई से कोई लेना-देना नहीं है। सोचने वाली बात है - बाप को सड़ सड़कर मरने के लिए कैद खाने में डालने और सगे भाई का सिर कलम करके पिता के सामने पेश करने वाले दुष्ट का गुणगान करने वालों का मुसलमानियत से भला क्या वास्ता? यदि वास्तव में औरंगजेब का गुणगान करने वाले लोग मुसलमानों के सच्चे खिदमतगार हैं, तो फिर यह सवाल भी उठना लाजमी है कि आजादी के बाद से लेकर अभी तक अधिकांश समय वही लोग सरकार पर काबिज बने रहे, जिन्होंने हमेशा खुद को मुसलमानों का रहनुमा बताया। मुस्लिम समाज के वो स्वयंभू ठेकेदार भी सत्ता की चाशनी में नहाते रहे, जो मुसलमान को औरंगजेब जैसे क्रूर शासकों से जोड़कर उन्हें बदनाम करने की साजिशें रचते रहे हैं और आज भी रच रहे हैं। इन सभी के सरकार में बने रहने के बाद भी आर्थिक, शैक्षणिक दृष्टि से मुस्लिम समाज पिछड़े पन का शिकार क्यों बना रहा?

चिंतन-मनन

नित अभ्यास से दर्शन कर सकते हैं ईश्वर का

सभी शास्त्र कहते हैं कि बिना भगवान को प्राप्त किये मुक्ति नहीं मिल सकती है। इसलिए भगवान की तलाश के लिए कोई व्यक्ति मंदिर जाता है तो कोई मस्जिद, कोई गुरूद्वारा, तो कोई गिरजाघर। लेकिन इन सभी स्थानों में जड़ स्वरूप भगवान होता है। अर्थात ऐसा भगवान होता है जिसमें कोई चेतना नहीं होती है।

असल में भगवान की चेतना तो अपने भक्तों के साथ रहती है इसलिए मंदिर में हम जिस भगवान को देखते हैं वह मौन होकर एक ही अवस्था में दिखता है। जब हमारी चेतना यानी इन्द्रियां अपने आस-पास ईश्वर को महसूस करने लगती है तब हम जहां भी होते हैं वहीं ईश्वर प्रकट दिखाई देता है। उस समय भगवान को ढूंढने के लिए मंदिर या किसी तीर्थ में जाने की आवश्यकता नहीं होती है।

जब व्यक्ति इस अवस्था को प्राप्त कर लेता है तब व्यक्ति के साथ चल रही भगवान की चेतना व्यक्ति के मंदिर में प्रवेश करने पर मंदिर में मौजूद ईश्वर की प्रतिमा में समा जाती है और मूक बैठी मूर्ति बोलने लगती है। यह उसी प्रकार होता है जैसे मृत शरीर में आत्मा के प्रवेश करने पर शरीर में हलचल होने लगती है। शरीर की क्रियाएं शुरू हो जाती है।? मंदिर में विराजमान मूर्ति वास्तव में एक मृत शरीर के समान है। मृत की पूजा करें अथवा न करें उसे कोई फर्क नहीं पड़ता। हमारी श्रद्धा और भक्ति की अनुभूति वही कर सकता है जिसमें चेतना हो प्राण हो। इसलिए तीर्थों में भटकने की बजाय जिस देवता की उपासना करनी हो उसे अपनी आत्मा से ध्यान करें उनकी आत्मा अर्थात परमात्मा से संपर्क करें, परमात्मा की पूजा करें तो, जो फल वर्षों मंदिर यात्रा से नहीं मिल सकता, वही फल कुछ पल के ध्यान से मिल सकता है।

क्रिकेट : परिवार साथ रखने का मसला है पेचीदा

मनोज चतुर्वेदी

भारतीय क्रिकेट टीम को आईपीएल के बाद जून माह में इंग्लैंड का दौरा करना है।

इस दौरे पर देखने वाली बात यह होगी कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड दौरों पर परिवार को लेकर बनाए गए नए दिशा-निर्देशों को लागू करेगा या फिर दिग्गज क्रिकेटर विराट कोहली द्वारा परिवार को साथ रखने का मत जाहिर करने के बाद ढिलाई बरतेगा। यह मुद्दा पेचीदा जरूर है।

यह तो साफ है कि बीसीसीआई ने आर्थिक पक्ष को ध्यान में रखकर तो यह फैसला किया नहीं था, क्योंकि बीसीसीआई के लिए इस तरह के खर्चे बहुत मायने नहीं रखते हैं। असल में न्यूजीलैंड के खिलाफ घर में पहली बार 0-3 से घरेलू टेस्ट सीरीज हारने के बाद ऑस्ट्रेलिया में 1-3 से टेस्ट सीरीज हारने का परिणाम था यह। बीसीसीआई में दौरों पर खिलाड़ियों को परिवार ले जाने के पक्ष और विपक्ष दोनों तरह के लोग हैं। 20-25 साल पहले तो यह कोई मुद्दा ही नहीं था। इसकी वजह बीसीसीआई के पास टीम को भेजने का खर्चा जुटाना ही मुश्किल होता था। वहीं 1983 में विश्व कप जीतने वाली टीम का जब ऐलान हुआ था, तब एक कार्यक्रम में विजेता टीम के एक सदस्य ने कहा था कि हम लोग जीत की तो कोई उम्मीद रखते नहीं थे और इन दौरों को मुफ्त विदेशी दौरों के तौर पर लेते थे। पर अब माहौल एकदम से बदला हुआ है और टीम के लिए जीत बहुत मायने रखती है।

इस कारण ही दो सीरीज हारते ही इस मुद्दे पर बीसीसीआई ने गाइडलाइंस जारी कर दीं। इनके मुताबिक 45 दिन से ज्यादा के दौरे पर परिवार 14 दिन और इससे कम के दौरों पर एक हफ्ते ही परिवार साथ रह सकेंगे। सही मायनों में विदेशी दौरों को लेकर 2018 में ही नियम बन गए थे, पर टीम की लगातार सफलताओं की वजह से और बीसीसीआई के मालामाल होने की वजह से वित्तीय कोई समस्या नहीं होने से इस तरफ ज्यादा ध्यान ही नहीं दिया गया। यही नहीं कई खिलाड़ियों के साथ अनाप-शनाप सामान जाने पर भी बोर्ड ने कभी इस मुद्दे को बहुत गंभीरता से नहीं लिया। भले ही बीसीसीआई अधिकारी कहते रहे हैं कि क्रिकेटरों के परिवारों के लिए विदेशी दौरों पर मैचों के टिकटों का और होटलों में कमरों का इंतजाम करने में दिक्कत होती है। पर इस बात में बहुत दम नजर नहीं आता है।

विश्व क्रिकेट में भारत का जिस तरह से दबदबा है, वह दौरें के मैचों के लिए किसी भी बोर्ड से क्रिकेटरों के परिवारों के लिए टिकट के लिए कहेगा और वह नहीं मिलेंगे, यह संभव नहीं है। होटल के कमरों के प्रबंध में दिक्कत आना संभव ही नहीं है। मुख्य सवाल यह है कि क्या परिवारवालों की मौजूदगी से खिलाड़ी का प्रदर्शन प्रभावित होता है। इस मामले में विरोध और समर्थन वाले दोनों पक्ष हैं। परिवार को साथ रखने की शुरूआत 2018 में हुई थी। इस अवसर पर विराट कोहली ने इंग्लैंड के लंबे दौरे का हवाला देकर परिवार को साथ रखने की अनुमति मांगी थी। इसके बाद 2019 के विश्व कप में परिवारों को 15 दिन तक साथ रहने की अनुमति दी गई थी।

पर इस मौके पर एक क्रिकेटर ने पूरे विश्व कप के दौरान अपनी पत्नी को साथ रखा और बोर्ड ने भी इस घटना की अनदेखी कर दी थी। इससे लगने लगा कि बोर्ड इस मसले को लेकर नरम है, लेकिन अब दो टेस्य सीरीज हारते ही वह फिर से सख्ती वाली मुद्रा में आ गया है। विराट कोहली का इस मामले में कहना है कि परिवार साथ होने पर खिलाड़ी को मैदान में मिली निराशा से उभरने में आसानी होती है। मैं कमरे में अकेले बैठकर उदास नहीं रहना चाहता हूं, मैं सामान्य होना चाहता हूं। तभी आप अपने खेल को एक जिम्मेदारी के रूप में ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को अपने परिवार की भूमिका समझना बहुत मुश्किल है। हर बार जब आप तनावपूर्ण स्थिति में होते हैं तो परिवार के पास आना कितना महत्त्वपूर्ण होता है। कोहली को इस बात की निराशा है कि जिन लोगों को इस मामले से कोई लेनादेना नहीं है, उन्हें भी चर्चा में शामिल किया गया।

2018 में जब यह मुद्दा उठा था, तब मौजूदा कोच गौतम गंभीर ने कहा था कि परिवारों की मौजूदगी कुछ

खिलाड़ियों के लिए काम करती है। वहीं कुछ खिलाड़ी कुछ ही समय परिवार के साथ रहकर बाकी समय क्रिकेट पर फोकस करना चाहते हैं। इससे ऐसा लगता है कि खिलाड़ी की जरूरत के हिसाब से फैसला किया जाए तो वह उसके और देश की क्रिकेट दोनों के लिए बेहतर होगा। विभिन्न देशों में इस मामले में अलग-अलग नियम हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया हर दौरे पर एक परिवार अवधि तय करता है। इस तय अवधि तक परिवार खिलाड़ी के साथ रह सकता है। पर हर दौरे के लिए यह समय अलग से तय किया जाता है। कई बार लंबे दौरों पर परिवारों के साथ रहने की अवधि भी लंबी रखी जाती है। वैसे भारत ने पिछले दिनों ही चैंपियंस ट्रॉफी जीती है, इससे लगता है कि इंग्लैंड दौरे पर गाइड लाइंस का सख्ती से पालन शायद ही हो। वैसे भी नियमों को प्रदर्शन में सुधार लाना होना चाहिए।

आम आदमी पार्टी को एक और झटका देने की तैयारी में बीजेपी, अब इस कुर्सी के लिए लड़ाई हुई तेज

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम में अगले माह होने वाले महापौर के चुनाव में किसकी सत्ता होगी इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि वर्तमान में निगम की सत्ता में बैठी आप नेता प्रतिपक्ष के कार्यालय में होने वाले खर्च का बजट बढ़ाने का प्रस्ताव ला रही है। कतना बढ़ेगा नेता प्रतिपक्ष का बजट? बुधवार को होने वाली सदन की विशेष बैठक में प्रस्ताव एवं संशोधन के जरिये आप पार्षद अंकुश नारंग ने यह प्रस्ताव रखा है। इसमें प्रस्ताव संख्या 26 में नेता सदन के कार्यालय में होने वाले खर्च के बजट में एक लाख रुपये की वृद्धि करने का प्रस्ताव रखा है जबकि सत्ता में होने के बाद भी आप की ओर प्रस्ताव संख्या 27 में नेता प्रतिपक्ष के बजट में तीन लाख रुपये की राशि की बढ़ोत्तरी का प्रस्ताव है। उल्लेखनीय है कि नेता सदन और नेता प्रतिपक्ष समेत महापौर कार्यालय में प्रतिदिन दूध, पानी, चाय और अन्य मदों में खर्च होने वाली राशि को भी बजट का हिस्सा बनाया जाता है। इसके तहत महापौर के लिए 12 लाख रुपये सालाना, नेता प्रतिपक्ष के लिए चार लाख सालाना तो नेता सदन के लिए आठ लाख रुपये वार्षिक खर्च का बजट निर्धारित हैं। अब जो प्रस्ताव आ रहा है अगर वह पारित हो जाता है तो नेता प्रतिपक्ष का बजट सात लाख हो जाएगा। वहीं, नेता सदन का बजट नौ लाख रुपये हो जाएगा। हैरानी की बात यह है कि बजट में बढ़ोत्तरी का प्रस्ताव सफाई सेवाओं में सुधार हेतु निधि के फंड से यह कटौती करके नेता सदन और नेता प्रतिपक्ष के बजट में बढ़ोत्तरी करने का प्रस्ताव है। बहुमत न होने पर गिर सकता है अअढ का प्रस्ताव निगम से जुड़े जानकार इसे अप्रैल में होने वाले महापौर चुनाव के बाद होने वाली स्थिति की तैयारी बता रहे हैं। हालांकि, इन प्रस्तावों को पास कराना आप के लिए आसान नहीं होगा, क्योंकि भाजपा ने अगर प्रस्तावों पर वोटिंग की मांग कर दी तो बहुमत न होने पर आप का प्रस्ताव गिर सकता है। एक व्यक्ति द्वारा सत्ता चलाने से नाराज हैं आप पार्षद दिल्ली नगर निगम में 2022 के दिसंबर में चुनाव हुए थे। इसमें 250 सीटों में से 135 सीटों पर आप ने जीत दर्ज की थी तो भाजपा ने 104 पर, लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता गया वैसे-वैसे आप से नाराज होकर पार्षद भाजपा में आने लग गए। 13 पार्षद तो आप के भाजपा में सीधे तौर पर आ चुके हैं। सूत्र बताते हैं कि 25 पार्षद भाजपा के संपर्क में हैं, लेकिन भाजपा स्थानीय संगठन की नाराजगी के चलते उन्हें शामिल नहीं करा रही है। आप से भाजपा में आए में महावीर एन्कलेव वार्ड से पार्षद अजय राय ने कहा कि महापौर पार्षदों की बात नहीं सुनते इसकी वजह से लोगों के काम नहीं हो पा रहे हैं। कमेटियों का गठन न करके एक व्यक्ति द्वारा ही निगम को चलाने का प्रयास किया। जिससे निगम का नुकसान हुआ।

दिल्ली की नई सरकार में डीटीसी बसों का होगा कायापलट! सीएनजी बसों के स्थान पर चलेंगी इलेक्ट्रिक बसें

नई दिल्ली। देश की राजधानी की सड़कों पर आगामी कुछ दिनों में अधिकाधिक इलेक्ट्रिक बसें चलती दिखाई देंगी। दिल्ली सरकार पुरानी सीएनजी बसों को चरणबद्ध तरीके से हटाने जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि सरकार अगले कुछ महीनों में पुरानी सीएनजी बसों की जगह इलेक्ट्रिक बसें लाने की योजना बना रही है। अधिकारियों का कहना है कि बीते दिनों परिवहन मंत्री पंकज सिंह ने विभाग के शीर्ष अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक कर उन्हें मार्च के अंत तक 1,000 इलेक्ट्रिक बसों की खरीद में तेजी लाने को कहा। विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि फिलहाल दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) के बेड़े में 2,400 सीएनजी बसें और 1,700 इलेक्ट्रिक बसें हैं। परिवहन मंत्री ने पुरानी बसों के संबंध में एक बैठक की जिनकी आयु लगभग समाप्त होने वाली है। सीएनजी बसों के बेड़े में से 50 प्रतिशत को हटा दिया गया उन्होंने कहा कि विभाग मार्च के अंत तक 1,000 इलेक्ट्रिक बसें शामिल करने पर काम कर रहा है। बता दें कि डीटीसी के सीएनजी बसों के बेड़े में से 50 प्रतिशत को हटा दिया गया है और शेष बसें अगले कुछ महीनों में सेवा से बाहर हो जाएंगी। डीटीसी की खटारा बसों को अब किचन के तौर पर इस्तेमाल किया जाएगा। डीडीए इन बसों को यमुना किनारे खड़ा करेगा। किचन भी बस के अंदर ही होगा व बैठकर खाने की व्यवस्था भी। इस महत्वपूर्ण योजना को मूर्त रूप देने के लिए दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने काम भी शुरू कर दिया है। अभी जिस बस को रेस्तरां में बदलने का प्लान बनाया जा रहा है, वह टाटा माकोपोलो मॉडल एसी सीएनजी लो फ्लोर बस है। यह 2010 का मॉडल है। बस में 36 यात्री सीटें, इंजन तथा सभी इंटीरियर लगे हुए हैं। इलेक्ट्रिक फिटिंग भी है। बस की उम्र पूरी हो चुकी है।

दिल्लीवासियों को गंदे पानी से मिलेगी राहत, स्वच्छ पानी उपलब्ध कराने के लिए विभाग की क्या है योजना?

नई दिल्ली। दिल्ली में जल संकट से निपटने के लिए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) से निकलने वाले शोधित पानी का गैर-पेय कार्यों में इस्तेमाल किया जा सकता है। दिल्ली में करीब 600 मिलियन गैलन प्रतिदिन (एमजीडी) शोधित पानी उपलब्ध है। डब्ल्यूआरआरसी की स्थापना इसमें से सिर्फ 100 एमजीडी शोधित पानी का ही इस्तेमाल हो पाता है। इस स्थिति को बदलने के लिए दिल्ली सरकार ने वाटर रिसोर्स रिकवरी सेल (डब्ल्यूआरआरसी) की स्थापना की है। शहरी विकास विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित नौ सदस्यीय समिति में सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण, उद्योग और बिजली विभाग के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। इस समिति में दिल्ली नगर निगम के आयुक्त, नई दिल्ली नगरपालिका परिषद के सचिव, दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति के सदस्य सचिव और दिल्ली जल बोर्ड तथा दिल्ली छावनी बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी भी शामिल हैं। मंत्रालय को रिपोर्ट सौंपा जाएगा डब्ल्यूआरआरसी का गठन केंद्र सरकार की जल ही अमृत पहल के तहत अटल मिशन (अमृत)-2 कार्यक्रम के तहत किया गया है। यह हर तीन महीने में केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय को अपनी रिपोर्ट सौंपेगा। अधिकारियों ने बताया कि जल ही अमृत कार्यक्रम का उद्देश्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में इस्तेमाल हो चुके पानी को शुद्ध करके उसके दोबारा इस्तेमाल को बढ़ावा देना है। इसके लिए एसटीपी की दक्षता बनाए रखने के साथ ही मानकों को सुनिश्चित किया जाएगा। इनका मूल्यांकन भी किया जाएगा। डब्ल्यूआरआरसी के चेयरमैन इस पहल में सहयोग के लिए अकादमिक और अन्य संस्थानों के विशेषज्ञों को भी शामिल कर सकते हैं।

डबल मर्डर से दहली दिल्ली, बुजुर्ग दंपती की बेरहमी से गला रेतकर हत्या; इलाके में सनसनी

नई दिल्ली। दिल्ली में उत्तर पश्चिम जिले के पीतमपुरा स्थित कोहाट एंक्लेव में वरिष्ठ नागरिक दंपती की गला रेतकर बेरहमी से हत्या कर दी गई। इस घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। तीसरी मंजिल पर रहते थे दंपती पुलिस के अनुसार, मृतक मोहिंद्र सिंह और उनकी पत्नी दिलराज कौर की उम्र करीब 70 साल है। घर की तीसरी मंजिल पर अलग-अलग कमरों में दोनों के शव मिले। पुलिस को शक है कि दो या तीन दिन पहले हत्या की गई है। वहीं, जांच में पता चला कि घर का नौकर भी गायब है। पुलिस जता रही ये आशंका पुलिस अभी मानकर चल रही है कि लूटपाट के बाद हत्या की गई होगी। बुजुर्ग दंपती का बेटा आज सुबह जब घर आया तो वारदात का पता चला। बेटा पास में ही दूसरे घर में रहता है। वहीं, जांच में पता चला कि तीन-चार दिन पहले ही बुजुर्ग दंपती ने एक युवक को अटेंडेंट के तौर पर रखा था। घटना के बाद से वह फरार है। पुलिस को शक है कि उसी ने वारदात को अंजाम दिया है। उसका पुलिस सत्यापन नहीं हो पाया था, इसलिए पुलिस को उस अटेंडेंट के नाम के बारे में अभी पता नहीं लग पाया है। वहीं, अटेंडेंट कल यानी सोमवार सुबह करीब पांच बजे दंपती के घर से निकलता हुआ सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ है। आरोपी के पीठ पर एक बैग भी दिखा है। उधर, घटना की जानकारी लगने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई है। पुलिस अभी घटनास्थल पर जांच कर रही है। जांच होने के बाद ही घटना के पीछे की वजह सामने आएगी। बदमाशों ने लूट की वारदात को भी दिया था अंजाम इससे पहले इसी जिले में वरिष्ठ नागरिक को बंधक बनाकर बदमाशों ने लूटपाट की थी।

जांच में खुले खौफनाक राज, ऐसे किया दंपती का कत्ल; पति-पत्नी की लाशें देख कांपी रूह

नई दिल्ली। राजधानी में आज यानी मंगलवार को एक खौफनाक वारदात सामने आई है। दिल्ली के पीतमपुरा में बुजुर्ग दंपती बेरहमी से हत्या कर दी गई। दोनों के शव तीसरी मंजिल पर अलग-अलग कमरे में मिले हैं। दंपती के दो बेटे हैं लेकिन, दोनों ही अलग-अलग रहते हैं। बताया गया कि इनके पकड़े का कारोबार है। पुलिस की जांच में खुले कई बड़े राज वहीं, मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की गहनता से जांच की तो पता चला कि तीन-चार दिन पहले ही बुजुर्ग दंपती ने एक युवक को अटेंडेंट के तौर पर रखा था। यह युवक घर से निकलता हुआ सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ है। घटना के बाद से ही वह फरार है। पुलिस उसकी तलाश में जुट गई है। युवक का नहीं हुआ था पुलिस सत्यापन वहीं, पुलिस को शक है कि इसी युवक ने इस वारदात को अंजाम दिया है। पुलिस की जांच में पता चला कि उसका पुलिस सत्यापन नहीं हो पाया था, इसलिए पुलिस को उस अटेंडेंट के नाम के बारे में अभी पता नहीं लग पाया है। बताया जा रहा की पुराने केयर टेकर ने ही इस केयर टेकर को तीन दिन पहले ही यहां रखवाया था। पुलिस ने आशंका जताई है कि इस डबल मर्डर में पुराने केयर टेकर का भी हाथ हो सकता है। दंपती के शव अलग-अलग कमरे में मिले हैं। मोहिंदर सिंह के मुंह और नाक से खून निकल रहा था। उनके मुंह पर तकिया डला हुआ मिला है। वहीं, दलजीत कौर के शव के पास से एक लोहे का रॉड मिला है। पुलिस का कहना है कि आरोपी ने उनके सिर पर रॉड से हमला कर हत्या की है। दंपती के गले में लिपटा था नेबुलाइजर पाइप पुलिस सूत्रों के मुताबिक, दंपती के गले में नेबुलाइजर पाइप भी लिपटा मिला है। आशंका है कि इसी पाइप से गला घोंटकर हत्या की है। तसल्ली करने के लिए बाद में आरोपी रॉड से हमला कर फरार हो गया। एफएसएल की टीम दंपती के कमरे में सुबह 11 बजे से मौजूद है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विधानसभा में नवनिर्वाचित सदस्यों को प्रबोधन कार्यक्रम में सदन की कार्यवाही को लेकर मार्गदर्शन दिया

नई दिल्ली/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को दिल्ली विधानसभा में नवनिर्वाचित विधायकों के लिए दो दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम का उद्घाटन किया. इस अवसर पर उन्होंने दिल्ली को ह्यमिनी इंडियाह्न के रूप में परिभाषित करते हुए कहा कि विधायकों को राजधानी के निवासियों के सामाजिक कल्याण के प्रति अपने विचार और दृष्टिकोण विकसित करने चाहिए. ओम बिरला ने यह भी उल्लेख किया कि विधायकों को जनता की आवश्यकताओं को प्राथमिकता देने पर ध्यान केंद्रित करना आवश्यक है. बिरला ने कहा कि दिल्ली की जनता ने आप सभी को एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है. हमें जनता की आवश्यकताओं को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, चाहे वह स्वास्थ्य से संबंधित हो या अन्य किसी क्षेत्र में. विधानसभा में आपकी चर्चा को लोकतांत्रिक मूल्यों का पालन करते हुए देश में एक सकारात्मक संदेश देने के लिए होना चाहिए. आपके विचार और दृष्टिकोण सामाजिक कल्याण के प्रति समर्पित होने चाहिए. दिल्ली की जनता ने आपको विश्वास के साथ यहां भेजा है. उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि जिस भवन में आप उपस्थित हैं, उसने स्वतंत्रता के संघर्षों को अपने भीतर समेटा है. उन्होंने बताया कि आपको एक अत्यंत महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है. यह भवन हमारे महान स्वतंत्रता सेनानियों के विचारों की अभिव्यक्ति का प्रतीक रहा है. हमने न केवल स्वतंत्रता के लिए संघर्ष किया, बल्कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया की नींव भी रखी. दिल्ली सभी राज्यों की

विविधता का प्रतिनिधित्व करती है और इसे एक मिनी इंडिया के रूप में देखा जाता है. लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम लोगों की अपेक्षाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने के तरीकों को समझें. दिल्ली विधानसभा की कार्यवाही, यहां होने वाली चचाएं और संवाद को लोकतांत्रिक परंपराओं को सुदृढ़ करने के साथ-साथ देश के अन्य हिस्सों को एक नया संदेश देने वाला होना चाहिए. विधानसभा के वरिष्ठ सदस्य विजेंद्र गुप्ता ने नव-निर्वाचित विधायकों को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली विधानसभा का एक अद्वितीय और समृद्ध इतिहास है, जो इसे अन्य विधानसभाओं से अलग बनाता है. उन्होंने विधायकों को यह सलाह दी कि वे अपनी व्यक्तिगत पहचान को पीछे छोड़ते हुए, अपनी सार्वजनिक छवि को ध्यान में रखते हुए सदन में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें. मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने भाषण में कहा कि विधानसभा में सरकार और विपक्ष की उपस्थिति लोकतंत्र की मजबूती का प्रतीक है. उन्होंने आशा व्यक्त की कि सभी विधायक आपसी सहयोग से चर्चा करेंगे और दिल्ली के विकास के लिए एकजुट होकर काम करेंगे. नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने अपने बयान में उल्लेख किया कि दिल्ली विधानसभा में कार्य करना एक महत्वपूर्ण दायित्व है. उन्होंने विजेंद्र गुप्ता के विचारों का समर्थन करते हुए कहा कि इतिहास में लाला लाजपत राय, मदन मोहन मालवीय, विठ्ठलभाई पटेल और जवाहरलाल नेहरू जैसे महान नेता भी ऐसे सदनों का हिस्सा रहे हैं. हालांकि, उन समयों में निर्णय लेने की क्षमता सीमित थी. दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने अपने मुख्य भाषण में कहा कि नए सदस्यों को सदन की नियम पुस्तिका का अध्ययन अवश्य करना चाहिए. दिल्ली विधानसभा का बजट सत्र 24 से 28 मार्च तक आयोजित होगा, जिसमें 25 मार्च को बजट प्रस्तुत किया जाएगा.

100 दिन में बदल जाएगी दिल्ली की सूरत, इन इलाकों में होगा काम; मंत्री प्रवेश वर्मा ने दिए ये निर्देश

नई दिल्ली। राजधानी की निर्वाचित रेखा सरकार 100 दिन के भीतर दिल्ली में बड़ा बदलाव ला रही है। करीब तीन महीने में वर्षों से लंबित विकास कार्य न सिर्फ पटरी पर लौटेंगे बल्कि धरातल पर भी बड़ा बदलाव दिखेगा। इसमें सबसे महत्वपूर्ण काम लोक निर्माण विभाग और जल बोर्ड का होगा। समस्याओं को लेकर हुई बैठक पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा ने सोमवार को जल बोर्ड और पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के साथ बैठक की और कहा कि विकास की गति बढ़ाने के लिए हर विधायक क्षेत्र की समस्याओं से भी अधिकारियों को अवगत करा रहे हैं और संबंधित विभागों को तुरंत समाधान करने के निर्देश दिए जा रहे हैं। मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा कि पहले काम नहीं हो पाता था क्योंकि नीयत नहीं थी, लेकिन अब भाजपा सरकार दिल्ली की जनता को राहत पहुंचाने के लिए युद्ध स्तर पर काम करेगी। इस बैठक में पीडब्ल्यूडी, दिल्ली जल बोर्ड और सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के अधिकारी शामिल हुए। खास बात यह रही कि इसमें संबंधित क्षेत्रों के अधिकारी भी मौजूद रहे, ताकि स्थानीय समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा सके। इन समस्याओं पर होगा काम बैठक में दिल्ली में सीवर जाम, सफाई, सड़क और कई अन्य समस्याओं पर चर्चा की गई। बैठक में त्रिलोकपुरी, पटपड़गंज, लक्ष्मी नगर (पूर्वी क्षेत्र), मुंडका, नांगलोई जाट, मोती नगर, मादीपुर (पश्चिमी क्षेत्र), मंगलपुरी, शकरपुर, किराड़ी (उत्तर-पश्चिम क्षेत्र) और अन्य विधानसभा क्षेत्रों की समस्याओं पर चर्चा की गई।

राहत के दिन बीते, अब दिल्लीवासी करेंगे भीषण गर्मी का सामना

नई दिल्ली। मौसमी उतार चढ़ाव के बीच सोमवार को भी गर्मी के तेवर हल्के ही रहे। अधिकतम एवं न्यूनतम दोनों ही तापमान सामान्य से नीचे रिकॉर्ड किए गए। हालांकि मौसम विभाग का पूवार्नुमान है कि अब धीरे-धीरे गर्मी और तापमान में फिर से वृद्धि होती जाएगी। सोमवार को अधिकतम तापमान सामान्य से 2.1 डिग्री कम 29.2 डिग्री सेल्सियस जबकि न्यूनतम तापमान सामान्य से 0.3 डिग्री कम 16.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा में नमी का स्तर 83 से 44 प्रतिशत रहा। कई दिन बाद ऐसा देखने में आया है कि जब दोनों ही तापमान सामान्य से नीचे आए हैं। मंगलवार को हवा की रफ्तार 30 किमी/घंटा रहेगा मौसम विभाग का पूवार्नुमान है कि मंगलवार को आसमान साफ रहेगा। 10 से 20 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलेगी। बीच-बीच में हवा की रफ्तार 30 किमी प्रति घंटे की भी हो सकती है। अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान 32 और 17 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। दूसरी तरफ दिल्ली की हवा लगातार साफ चल रही है। हालांकि सोमवार को एक्यूआई 100 से ऊपर दर्ज किया गया। सीपीसीबी के मुताबिक सोमवार को दिल्ली का एक्यूआई 108 यानी मध्यम श्रेणी में रहा। एक दिन पहले रविवार को यह 99 रहा था। 24 घंटे के भीतर इसमें नौ अंकों की वृद्धि दर्ज की गई है। एनसीआर के शहरों में भी एक्यूआई संतोषजनक से मध्यम श्रेणी में बना हुआ है। गुरुग्राम में 21 मार्च तक मौसम परिवर्तनशील रहने की संभावना गुरुग्राम में इन दिनों मौसम में उतार-चढाव चल रहा है। सोमवार को दिनभर मौसम साफ रहा और दोपहर में तेज धूप होने के कारण गर्मी रही। न्यूनतम तापमान 15.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, अधिकतम तापमान 27.4 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग के अनुसार बीच-बीच में हवाओं में बदलाव आने से हल्की गति से हवा चलने की संभावना है। इस दौरान 17 व 18 मार्च को उत्तर पश्चिमी हवाएं चलने से रात्रि तापमान में गिरावट आने का अनुमान है तथा दिन के तापमान में हल्की बढ़ोतरी होने की संभावना है। परंतु 19 मार्च से एक और पश्चिमी विक्षोभ के आंशिक प्रभाव से हवा उत्तरपूर्वी होने से 20 व 21 मार्च को वातावरण में नमी बढ़ने व आंशिक बादल आने की संभावना है, जिससे रात्रि तापमान में हल्की बढ़ोतरी होने का अनुमान है। फिर बढ़ने लगा प्रदूषण क्षेत्र में गत सप्ताह बूंदाबांदी होने से लुढके एयर क्वालिटी इंडेक्स में अब फिर से बढोतरी होने लगी है। हवा में धूल और धुएं के कण बढ़ने के कारण हवा सांस लेने लायक नहीं है। गत शुक्रवार और शनिवार को एयर क्वालिटी इंडेक्स 70 पर पहुंच गया था, वहीं सोमवार को शाम छह बजे इंडेक्स 170 दर्ज किया गया।

क्या है दिल्ली पुलिस का शिष्टाचार स्क्वॉड और कैसे करेगा काम? मनचलों पर कसेगा शिकंजा

नई दिल्ली। सड़कों पर महिलाओं की सुरक्षा दिल्ली पुलिस के लिए बड़ी चुनौती रही है। महिलाओं की ओर से आए दिन छेड़छाड़ और उत्पीड़न की शिकायतें आती रहती हैं, लेकिन अब सड़कों पर घूमने वाले मनचलों पर शिकंजा कसने के लिए दिल्ली में एंटी ईव टीजिंग स्क्वॉड तैनात किए जाएंगे, जिसे 'शिष्टाचार स्क्वॉड' नाम दिया गया है। एंटी रोमियो स्क्वॉड की तर्ज पर होगा ईव टीजिंग स्क्वाड यह स्क्वॉड उत्तर प्रदेश के एंटी रोमियो स्क्वॉड की तर्ज पर बनाया जा रहा है और इसे राजधानी के सभी संवेदनशील इलाकों में तैनात किया जाएगा। सीनियर अधिकारियों के अनुसार, महिलाओं की सुरक्षा के लिए जोखिम पैदा करने वाले हॉटस्पॉट और कमजोर क्षेत्रों की पहचान करेंगे। जिले के डीसीपी की ओर से पहचाने गए ऐसे क्षेत्रों की सूची महिलाओं और बच्चों के लिए विशेष पुलिस इकाई (एसपीयूडब्ल्यूएसी) के डीसीपी के साथ साझा करनी होगी। तैनाती रोस्टर सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी), महिलाओं के खिलाफ अपराध (सीएडब्ल्यू) इकाइयों की ओर से तैयार किया जाएगा और साप्ताहिक आधार पर डीसीपी एसपीयूडब्ल्यूएसी की ओर से अनुमोदित किया जाएगा। दस्ते में अपराधियों की पहचान करने और उन्हें रोकने के लिए सादे कपड़ों में महिला पुलिस अधिकारी भी तैनात होंगी। ऐसे काम करेगा स्क्वॉड हर दस्ते को रोजाना दो संवेदनशील इलाकों में गश्त करनी होगी। सप्ताहभर के दौरान सभी हॉटस्पॉट कवर करने होंगे। हर जिले का पुलिस उपायुक्त इन दस्तों की निगरानी करेगा। जिला एसीपी व सीएडब्ल्यू सेल के अधिकारी इनकी तैनाती की रूपरेखा तैयार करेंगे। सतर्कता बढ़ाने और अधिक संवेदनशील स्थानों की पहचान करने के लिए आरडब्ल्यूए और स्थानीय स्वयंसेवकों के साथ सहयोग का सुझाव देते हुए दस्ते पीड़ितों की सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करेंगे। ये दस्ते बस स्टैंड, मेट्रो स्टेशन, बाजार, पार्क, स्कूल-कालेज के आसपास और अन्य संवेदनशील इलाकों में सक्रिय रहेंगे। हर जिले में होगा शिष्टाचार स्क्वॉड दिल्ली के पुलिस कमिश्नर के आदेशानुसार हर जिले में कम से कम दो विशेष दस्ते तैनात किए जाएंगे। इन दस्तों की जिम्मेदारी महिलाओं के खिलाफ छेड़छाड़ और अन्य अपराधों को रोकना और अपराधियों पर त्वरित

कार्रवाई करनी होगी। इन दस्तों में एक इंस्पेक्टर, एक सब-इंस्पेक्टर (पुरुष/महिला-प्रत्यक्ष), चार महिला पुलिस अधिकारी (हवलदार/ सिपाही/ एएसआई), पांच पुरुष पुलिस अधिकारी (हवलदार/ सिपाही/ एएसआई) तैनात रहेंगे। इसके अलावा तकनीकी सहायता के लिए आवश्यकतानुसार विशेष स्टाफ/एएटीएस से एक पुलिसकर्मी को दस्ते के साथ रखा जाएगा। प्रत्येक दस्ते को एक चार पहिया वाहन और पर्याप्त दो पहिया वाहन उपलब्ध कराए जाएंगे। महिला पुलिसकर्मियों की होगी स्कवाड में अहम भूमिका दिल्ली पुलिस के आला अधिकारियों के अनुसार, दस्तों को यह अधिकार दिया गया है

हाई अलर्ट पर पुलिस तहसीलों में वकीलों का प्रदर्शन शुरू

लखनऊ। में कई चौराहों पर पुलिस हाई अलर्ट पर है। बैरिकेडिंग के साथ पुलिस बल सड़कों पर उतारा जा रहा है। पुलिस जवान लाठी और सेफ्टी जैकेट से लैस हैं। यह तैयारी वकीलों के हड़ताल पर जाने और शहर में रैली निकालने के ऐलान के बाद की जा रही है।

दरअसल, विभूतिखंड थाने में होली पर हुए विवाद के बाद वकीलों और पुलिस में टकराव है। वकील मामले में आज पुलिस कमिश्नर से मुलाकात कर अपने ऊपर लगे मुकदमे वापस करने की मांग रखेंगे। पुलिस ने विवाद के बाद 150 वकीलों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली थी।

अवध, लखनऊ और सेंट्रल बार एसोसिएशन ने आपात बैठक बुलाई, जिसमें आज से न्यायिक कार्य बहिष्कार का ऐलान किया। हाईकोर्ट और जिला कोर्ट के कामकाज आज ठप हैं। तहसीलों में प्रदर्शन शुरू हो गया है।आपात बैठक में 11 प्रस्ताव पास, वकीलों की कार्रवाई तेज लखनऊ बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रमेश प्रसाद तिवारी, मंत्री ब्रज भान सिंह, सेंट्रल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अरविंद सिंह कुशवाहा और मंत्री अमरेश सिंह की अगुआई में लाइब्रेरी हॉल में संयुक्त बैठक हुई। बैठक में 11 प्रस्ताव पारित किए गए, जिनमें वकीलों के खिलाफ दर्ज मुकदमों को वापस लेने और दोषी पुलिसकर्मियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की गई।बैठक में वकीलों ने कहा कि पुलिस यातायात डायवर्जन और स्कूल

बंद कराकर वकीलों की छवि खराब करने की कोशिश कर रही है। मांग की कि विभूति खंड थाने के दोषी पुलिसकर्मियों को तुरंत निलंबित किया जाए। अधिवक्ताओं के खिलाफ दर्ज एफआईआर को फर्जी बताते हुए क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की जाए। अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट लागू किया जाए। कहा कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति भ्रामक है। वकीलों ने दी आंदोलन की चेतावनी वकीलों के विरोध के बाद एक इंस्पेक्टर समेत 9 पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। हालांकि, पुलिस ने भी दो नामजद और अन्य अज्ञात वकीलों पर मुकदमा दर्ज किया है। अधिवक्ताओं ने साफ कहा है कि अगर उनकी मांगें नहीं मानी गईं, तो आंदोलन और तेज होगा। विवाद बढ़ने के बाद एक इंस्पेक्टर समेत नौ पुलिसकर्मियों पर एफआईआर दर्ज हो चुकी है। पुलिस ने भी दो नामजद वकीलों समेत कई अज्ञात अधिवक्ताओं पर मुकदमा दर्ज किया है, जिसे वकीलों ने फर्जी बताया है। वकीलों ने चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं तो आंदोलन और तेज होगा। हाई कोर्ट के अवध बार एसोसिएशन कार्यालय में सेंट्रल बार एसोसिएशन और लखनऊ बार एसोसिएशन के पदाधिकारी पहुंचे। सरोजनी नगर तहसील के वकीलों ने कार्य बहिष्कार किया। पुलिस कमिश्नर को ज्ञापन सौंपा। लखनऊ कलेक्ट्रेट के आसपास जगह-जगह बैरिकेडिंग की गई है। साथ ही पुलिस बल मुस्तैद है। मोहनलालगंज में वकील सड़क पर उतर चुके हैं। 'आवाज दो, हम एक हैं' नारा लगा रहे हैं। पुलिस तुम्हारी तानाशाही नहीं चलेगी और हमसे जो टकराएगा, चूर-चूर हो जाएगा जैसे नारे वकील लगा रहे हैं। मोहनलालगंज तहसील के बार एसोसिएशन के पदाधिकारी और वकीलों ने जुलूस निकाला। इस दौरान सबने पुलिस के लिए मुदार्बाद के नारे लगाए। स्वास्थ्य भवन चौराहा, बेगम हजरत महल पार्क, परिवर्तन चौराहा और क्लार्क अवध होटल के पास पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रखी है।

डीएम कार्यालय के पास कलेक्ट्रेट चौराहा पर भी बैरिकेडिंग लगाई।

इमाम हसन के जन्मदिन पर हुई महफिल, शायरों ने शेर पढ़कर जीता लोगों का दिल

सुलतानपुर/ भव्य खबर। पैगम्बर मोहम्मद के बड़े नवासे हजरत इमाम हसन के जन्मदिन के अवसर पर खैराबाद स्थित इमाम बारगाह बेगम हुसैन अकबर में एक शानदार महफिल का आयोजन किया गया। इस महफिल में स्थानीय और बाहर से आए शायरों ने अपने शेरों से लोगों का दिल जीत लिया। सोमवार देर रात हुई इस महफिल का संचालन शरफ उतरौलवी ने किया। तकरीर को मौलाना असगर नकी ने संबोधित करते हुए इमाम हसन के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इमाम हसन ने हर दौर के रसूलों को तानए अबतर से बचाया। मौलाना ने यह भी बताया कि मक्का के लोग पैगम्बर मोहम्मद को बेवारिस बता रहे थे, तब अल्लाह ने सूरए कौसर भेजकर पैगम्बर को कसरते औलाद का वादा किया। इसके बाद इमाम हसन का जन्म हुआ।मौलाना ने इमाम हसन के सुलह को लेकर भी चर्चा की और कहा कि सुल्ह खुद दुश्मन से होती है, दोस्त से नहीं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इमाम हसन ने सुलह की नहीं, बल्कि उनसे सुलह की गई थी, ठीक वैसे ही जैसे इमाम हुसैन से जंग की गई थी, न कि उन्होंने जंग की थी। महफिल में शायरों ने अपने शेरों से समां बांध दिया। लखनऊ के नज्म लखनवी ने शेर पढ़ा, "मकी से बैर है तो फिर मका से क्या रिश्ता, बिला सबब ये मुसलमा हरम से लिपटे हैं"। वहीं, राशिद मोरानवी ने कहा, "फलक सफेद है इफ्तार करके बैठ गए, गलत ये काम बहुत रोजादार करते हैं"। अंबर तुराबी ने शेर पढ़ा, "बस वो ही शख्स रोजे की मेराज तक गया, शब्बीर जिसको याद तेरी ताशनगी है आज"। मुहिब मोरानवी ने कहा, "ये मुस्कुरा के गले खंजरो पे रखते हैं, अजीब लोग हैं मकतल से प्यार करते हैं"। साथ ही अजादार आजमी, अमन सुल्तानपूरी, जमीर सैदपुरी, नजर सुल्तानपुरी, आलम सुल्तानपुरी ने भी शेर पढ़कर महफिल में समां बांध दिया।महफिल में शाहिद अकबर, मोहम्मद नजीर, हाजी मुजाहिद अकबर, डॉ. जफर, नसीम आब्दी, शाहिद हुसैन करबलाई, अजादार हुसैन समेत कई महत्वपूर्ण लोग मौजूद रहे।

डीआईजी राजेश कुमार सक्सेना बने (पी.टी.एस.) सुलतानपुर प्रभारी, जल्द ग्रहण करेंगे कार्यभार

सुलतानपुर/ भव्य खबर। जनपद में स्थित पुलिस प्रशिक्षण केंद्र (पी.टी.एस.) सुलतानपुर के नए डीआईजी के रूप में राजेश कुमार सक्सेना की नियुक्ति हुई है। वे वर्तमान में समय पी.ए.सी. रायबरेली के सेनानायक के पद पर कार्यरत हैं और दो दिन बाद औपचारिक रूप से सुलतानपुर डीआईजी का कार्यभार ग्रहण करेंगे। राजेश कुमार सक्सेना ने अपनी शिक्षा इलाहाबाद विश्वविद्यालय से प्राप्त की और अपने छात्र जीवन के दौरान प्रतिष्ठित पी.सी. बनर्जी छात्रावास के अंतवार्सी रहे। वे शुरू से ही अनुशासनप्रिय, कर्मठ और कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी के रूप में पहचाने जाते हैं। उन्होंने अपने पुलिस करियर की शुरूआत पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) के रूप में की थी और सन् 1996-97 में सुलतानपुर जनपद में भी डीएसपी के पद पर अपनी सेवाएँ दी थीं। इसके बाद विभिन्न जनपदों में पुलिस उपाधीक्षक, अपर पुलिस अधीक्षक एवं पुलिस अधीक्षक के रूप में उन्होंने कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ संभालीं। राजेश कुमार सक्सेना की गिनती मृदुभाषी, शालीन एवं कर्तव्यनिष्ठ अधिकारियों में होती है। उनके डीआईजी बनने की खबर से इलाहाबाद विश्वविद्यालय और पी.सी. बनर्जी छात्रावास के पूर्व छात्रों में हर्ष का माहौल है। उनके नेतृत्व में सुलतानपुर की कानून- व्यवस्था और अधिक मजबूत होने की उम्मीद की जा रही है। उनकी सफलता युवाओं के लिए प्रेरणा है।

विकास कार्यों के लिए विधानसभा कुशीनगर को मिली करोड़ों की सौगात

संवाददाता
कसया, कुशीनगर। कुशीनगर विधानसभा में विधायक पी.एन पाठक के प्रस्ताव पर विभिन्न विकास कार्यों के लिए सात करोड़ रुपए की वित्तीय स्वीकृति मिली है। प्रथम किश्त के रूप में लगभग ढाई करोड़ की धनराशि भी जारी कर दिया गया है।विधानसभा में विकास कार्यों के लिए करोड़ों की सौगात मिलने पर क्षेत्र के लोगों में खुशी की लहर है। लोगों ने विधायक श्री पाठक के प्रति धन्यवाद व आभार जताया है। लोगों ने कहा कि कुशीनगर विधायक पी.एन पाठक के नेतृत्व में विधानसभा अपना स्वर्णिम गाथा लिख रहा है। कुशीनगर विधायक पी.एन

पाठक के प्रस्ताव पर कुशीनगर विधानसभा क्षेत्र के नगरपालिका परिषद कुशीनगर में वार्ड नंबर तीन संत गाडगेनगर में वंदन योजना के अंतर्गत लगभग एक करोड़, 53 लाख की लागत से विख्यात खरदर माता स्थान (नौकटोला) के सौंदर्यीकरण व विकास कार्य हेतु व नगरपालिका कुशीनगर के विभिन्न वार्डों में जलजमाव से मुक्त करने हेतु सीवरेज एवं जल निकासी योजनांतर्गत नपा के विभिन्न वार्डो में लगभग 2 करोड़,11 लाख 98 हजार की लागत से आर.सी.सी. नाले के निर्माण एवं नगरपालिका कुशीनगर के वार्ड न. 10, वाल्मिकीनगर में दीनापट्टी सड़क पर लगभग 66 लाख, 23 हजार की लागत से नेटूआ वीर बाबा के पास तालाब का सौंदर्यीकरण व विकास समेत नगरपालिका परिषद कुशीनगर में पेयजल की समस्या को दूर करने हेतु लगभग 2 करोड़ की लागत से विभिन वार्डों में पेयजल व्यवस्था व पाइप लाइन विस्तार होगा, जिसकी वित्तीय स्वीकृति मिल चुकी है। विधायक पी.एन पाठक ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्य अनवरत जारी रहेंगे। क्षेत्र का सर्वांगीण विकास करना प्राथमिकता में है। सभी प्राचीन धर्मस्थलों का कायाकल्प कराया जा रहा है। इस परियोजना का उद्देश्य मंदिर परिसर को न केवल आधुनिक रूप में विकसित करना है। विधायक पी. एन पाठक ने मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ, नगर विकास मंत्री ए.के शर्मा का कुशीनगर की जनता की तरफ से धन्यवाद ज्ञापित किया है।

सघन स्वास्थ्य एवं संचार के अन्तर्गत स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

संवाददाता
कुशीनगर। उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी के निर्देश पर विकास खण्ड कसया के ग्राम पंचायत कुड़वा दिलीपनगर पंचायत भवन पर सघन स्वास्थ्य एवं संचार अभियान के अन्तर्गत निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर काशुभारम्भ संजय कुमार सिंह चिकित्साधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कसया ने फीता काट कर किया।

इस स्वास्थ्य शिविर में उच्च जोखिम समूह व प्रवासियों का सामान्य जांच, दवा वितरण, एचआईवी एड्स एवं यौन संचारित रोगों का परामर्श परीक्षण एवं उपचार तथा गर्भवती महिलाओं का प्रसव पूर्व जांच व प्रचार प्रसार सामग्री, कंडोम की प्रदर्शनी व वितरण किया गया। स्वास्थ्य शिविर में कुल 181 व्यक्तियों का पंजीकरण व 141 व्यक्तियों का एच आई बी की स्कैनिंग एवं परामर्श तथा 15 व्यक्तियों की यौन जनित रोग की परामर्श जांच एवं उपचार किया गया।

स्वास्थ्य शिविर में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कसया के चिकित्साधिकारी डॉ॰ सावित्री सिंह,मीरा दुबे, विक्रांत यादव, परामर्शदाता आईसीटीसी पूनम भारती, राजेश कुमार, तारकेश्वर सिंह परियोजना प्रबन्धक लक्षित हस्तक्षेप परियोजना (सवेरा) पूनम देवी, प्रेमशीला प्रजापति, सुगंधी पांडेय, गुड्डी देवी, कालिंदी देवी, सीमा गुप्ता उपस्थित रहे।

महिला सशक्तिकरण से ही भारत बनेगा विकसितः राज्यपाल आनंदी बेन पटेल

स्कूल किट्स, हेल्थ किट्स, बुजुर्गों को आयुष्मान कार्ड और मुसहर समुदाय को आवास पट्टा का हुआ वितरण

संवाददाता
कुशीनगर। विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए महिला सशक्तिकरण आवश्यक है। बच्चों को आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से छोटे बच्चों को मानसिक, शारीरिक एवं बौद्धिक रूप से सुदृढ़ और शक्त बनाने में योगदान करना होगा।

उक्त बाते प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में आंगनवाड़ी केंद्रों को प्री स्कूल किट्स, हेल्थ किट्स, 70 वर्ष के बुजुर्गों को आयुष्मान कार्ड वितरण और मुसहर समुदाय को आवास पट्टा वितरित करते हुए कही। कहा कि यही बच्चे आगे चलकर देश को विकसित करने में अपना योगदान देते हैं, जिस प्रकार फसल को तैयार करने से पूर्व हमलोग धरती को तैयार कर आधार मजबूज बनाते है। खाद बीज की व्यवस्था कर फसल तैयार करते है, ठीक उसी प्रकार बच्चों में संस्कार विचार का ज्ञान दने उपरान्त प्राथमिक शिक्षा व उच्च शिक्षा प्राप्त कराने के उपरान्त यह सभी बच्चे देश-विदेशों में नाम व यश की कीर्ति फैलाते है। बेटा हो या बेटी बिना फर्क किये उन्हे शिक्षा, स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाये। शत प्रतिशत हॉस्पीटलों में उचित प्रकार डिलीवरी हो तथा जच्चा बच्चा दोनो स्वस्थ्य रहे। सभी शिशुओ का लालन-पालन एक समान होना चाहिए। आंगनबाड़ी केन्द्रो में पढने वालो बच्चों के अन्दर अत्यंत प्रतिभाएं छिपी रहती है, उनकी प्रतिमाओं को पहचान कर उन्हें प्रोत्साहन देते हुए उनका मार्ग प्रशस्त करना चाहिए। आंगनबाडी केन्द्रो को संसाधनो से युक्त करने, सुविधाओं से लैस व परिपूर्ण करने हेतु पूरे उ०प्र० में 30000 आंगनबाड़ी केन्द्रो में संसाधन युक्त किट का तथा जनपद में 250 आंगनबाड़ी केन्द्रो मे किटों का वितरण किया जा रहा है। राज्यपाल ने कलेक्ट्रेट प्रांगण में लगाए गए विभिन्न विभागों के स्टालों का अवलोकन कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। विभिन्न स्टॉलो के अन्तर्गत बेसिक शिक्षा विभाग के द्वारा निपुण भारत मिशन से सम्बन्धित स्टॉल कृषि विभाग के उर्वरकों के बारे में व फसल सुरक्षा हेतु जागरूकता से

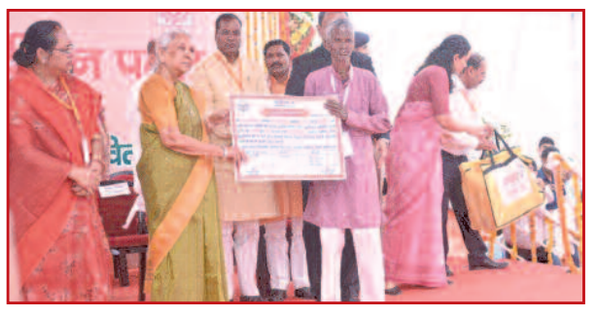

सम्बन्धित स्टॉल, उद्यान एवं प्रसंस्करण विभाग के अन्तर्गत हल्दी एवं केले से बने उत्पादो से सम्बन्धित स्टॉल, उ० प्र० राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अन्तर्गत नमो ड्रोन दीदी से सम्बन्धित स्टॉल ओ०डी० ओ०पी० उघोग विभाग अन्तर्गत केले से बने विशिष्ट उत्पाद यथा आचार, जूस, आटा, चिप्स आदि से सम्बन्धित स्टॉल, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग, स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्टॉल का अवलोकन किया। राज्यपाल फसल सुरक्षा, हल्दी तथा केले उद्योग के निमार्ण व उत्पाद बनाने की प्रक्रिया, नर्सरी में उत्पादित प्रति वर्ष छोटे पौधो की संख्या, ड्रोन दीदी के अन्तर्गत मिलने वाले छिडकाव हेतु ऑडर के बारे में जानकारी भी ली। आंगनबाड़ी केन्द्रो के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भव्य प्रस्तुति भी की गई। स्वच्छता संदेश के गीत व नाट्य प्रस्तुति पर राज्यपाल ने बच्चों को आशीर्वाद दिया। राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित प्रतियोगिताओं के कुशीनगर क्षेत्र के विजेता कु० जान्हवी एवं कु० श्रेया द्विवेदी ने अपने निबंध भाषण से विकसित भारत में मातृ शक्ति का योगदान और विकसित भारत के सपने को साकार करने की परिकल्पना को व्यक्त किया। 10 आंगनबाड़ी केन्द्रो को प्री स्कूल किट्स, 10 आंगनबाड़ी केन्द्रो को हेल्थ किट्स, 10 मुसहर समुदाय के लाभार्थियों को आवासीय पट्टा प्रमाण पत्र, 05 ओडीओपी योजनान्तर्गत टूल किट्स, 05 स्वयं सहायता समूह के महिलाओं का प्रशास्ति पत्र, डेमो चेक, 05 सफाई कर्मियों एवं केयर टेकरो का सफाई किट, 05 आयुष्मान भारत कार्ड का वितरण हुआ। राज्यपाल ने चिकित्सालयों व हेल्थ सेन्टरो में मिलने वाली दवाईयो का समय-समय से निरीक्षण करने के निर्देश भी दिए। कहा कि सभी हेल्थ अधिकारी दवाओं पर पैनी नजर रखे। उन्होने पुलिस के अधिकारियों को बार्डर एरिया की अवैध व संदिग्ध गतिविधियो पर पैनी नजर बनाये रखने के निर्देश दिए। कहा कि बार्डर एरिया में सतत दृष्टि बनाये रखे। पूर्वजो की तरह आने वाली भविष्य की पीढ़ी के लिए पानी की बचत करे। साथ ही जनपद मे नशे की लत से छुटकारा पाने हेतु नशामुक्ति अभियान वृहद स्तर पर चलाए। दहेज प्रथा, बाल विवाह व समाज की कुरीतियो को दूर करने हेतु सतत कदम उठाये।उन्होने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियो से कहा कि आप बचपन से ही बच्चो को आत्मनिर्भर बनाने की सीख दे। आईना-कंघी, सुई धागा बटन, नाखून कटाने के माध्यम से बच्चो के साथ-साथ उनके अभिभावकों में स्वच्छता के प्रति प्रेरित करने की सीख भी दी। उन्होने सभी उपस्थित लोगो से अपील की, की वे 9-14 साल की बच्चियो को कैसर से बचाव हेतु वैकसीन अवश्य लगवायें। कार्यक्रय मे विधायक रामकोला विनय प्रकाश गौड, विधायक फाजिलनगर सुरेन्द्र सिंह कुशवाहा, विधायक खड्डा विवेकानन्द पाण्डेय, विधायक हाटा मोहन वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष सावित्री जायसवाल, जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज, पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा, मुख्य विकास अधिकारी गुजंन द्विवेदी, अपर जिलाधिकारी वैभव मिश्र, अपर जिलाधिकारी न्यायिक प्रेम कुमार राय, अपर पुलिस अधीक्षक रितेश कुमार सिंह समस्त उपजिलाधिकारी गण, समस्त क्षेत्राधिकारी गण, नगर पालिका पडरौना अध्यक्ष विनय जायसवाल, हाटा ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि सुधीर राव तथा अन्य जनप्रतिनिधि व जनपद स्तरीय अधिकरी, कर्मचारी गण, आंगनबाड़ी कार्यकत्री मौजूद रहे।

संक्षिप्त डायरी

हमीरपुर की सुमेरपुर पुलिस ने फरार चल रहे अभियुक्त को किया गिरफ्तार-

संवाददाता
हमीरपुर। उत्तर प्रदश के हमीरपुर की सुमेरपुर पुलिस ने अपराधियों की धरपकड़ के लिये चलाये जा रहे अभियान के तहत धारा 74 इठर व 9( )/10 पाक्सो एक्ट के मामले में फरार चल रहे चन्द पुरवा निवासी 25 वर्षीय अभियुक्त शीलू पुत्र वीर सिंह को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया। अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली टीम में खासतौर से एस आई राजवीर सिंह सहित कांस्टेबल अर्पित कुमार शामिल रहे।

323 पदयात्री थाई बौद्ध भिक्षुओं ने की बुद्ध वंदना कर की विश्व कल्याण की कामना

संवाददाता
कसया, कुशीनगर।
बुद्ध स्थली कुशीनगर तीर्थाटन पर आए 323 थाई पदयात्री बौद्ध भिक्षुओं ने बुद्ध वंदना कर विश्व कल्याण की कामना की। उपासकों ने भिक्षुओं को भोजन दान दिया गया। मंगलवार को कुशीनगर पहुंचे भिक्षुओं ने मुख्य महा परिनिर्वाण मंदिर में धम्म पाठ के साथ तथागत बुद्ध का पूजन, अर्चन किया और चीवर चढ़ाया। भिक्षु माथा कुंवर मंदिर, बुद्ध धातु वितरण स्थल, रामा भार स्तूप पहुंचकर बुद्ध की पूजा की। घनश्याम दूबे, नाग मणि, विक्की, आलोक, प्रशांत, ओमप्रकाश कुशवाहा सहित स्थानीय उपासकों ने भिक्षुओं के पिंड पात्र में फल, खाद्य आदि दान किया। इससे पूर्व कुशीनगर तीर्थाटन पर आए भिक्षुओं के दल के प्रमुख भंते चलान ने बताया कि भिक्षु थाईलैंड से 7 मार्च को बोध गया पहुंचे हैं और वहां से बौद्ध भिक्षुओं का दल पैदल बनारस, लुंबिनी श्रावस्ती होते हुए कुशीनगर पहुंचा। यहां से दल वैशाली, केसरिया, नालंदा होते हुए बोधगया पहुंचेगा और 30 मार्च को स्वदेश रवाना हो जाएगा। दल हर साल बौद्ध तीर्थ के यात्रा पर भारत आता है।

मुख्यमंत्री के दिए चरखे पर आया पालिका चेयरमैन का दिल

बुलंदशहर। में स्वच्छता अभियान में शानदार कार्य करने के महिला सभासद को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दिए चरखे पर पालिका चेयरमैन का दिल आ गया। महिला सभासद की गैरमौजूदगी में चेयरमैन उनके घर से सम्मान स्वरूप दिए गए चरखे को ही ले गए। अब वापस मांगने पर आरोपी चेयरमैन महिला सभासद पर तेजाब डालने और शहर से भगाने की धमकी दे रहे हैं। महिला सभासद की तहरीर पर आरोपी चेयरमैन के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। खानपुर कस्बा निवासी सभासद रूही खान पत्नी महाराज खान को वर्ष 2018 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वच्छ वार्ड प्रतिस्पर्धा अभियान के तहत लखनऊ में सम्मानित किया था। सम्मान स्वरूप चरखा भेंट किया था। उनकी गैर मौजूदगी में तत्कालीन नगर पालिका चेयरमैन मुस्तफा कमाल पुत्र शौकत अली ने वह चरखा इदरीश पुत्र शफीक अंसारी के द्वारा यह कहकर मंगवा लिया कि मेरे कुछ दोस्त आए हुए हैं, उन्हें यह चरखा दिखाना है। महिला सभासद का आरोप है कि तब से लेकर आज तक वह चेयरमैन से अपना चरखा मांगती रहीं , लेकिन हमें वह चरखा देने में आनाकानी करते रहे। 14 मार्च को जब मैंने वापस चरखा मांगने के लिए चेयरमैन को फोन किया तो चेयरमैन मुस्तफा कमाल ने उन्हें गाली गलौच देनी शुरू कर दीं। चेयरमैन ने उन्हें और उनकी बेटी को गाली दी। हमारे लिए आपत्तिजनक शब्द कहे। धमकी देते हुए कहा- तेरे चेहरे पर तेजाब डाल दूंगा। तुझे मारकर खानपुर में दफना दूंगा। महिला सभासद की तहरीर पर आरोपी नगर पालिका चेयरमैन के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 351(3) के तहत रिपोर्ट दर्ज की गई है। एसएसपी श्लोक कुमार का कहना है कि मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

एकसड़ा पुल के नीचे मिले संदिग्ध बोरे

बस्ती। जिले के एकसड़ा पुल के नीचे कई बोरों में मांस मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। बोरों से आ रही तेज दुर्गंध के कारण स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) ओपी सिंह तत्काल मौके पर पहुंचे। पुलिस ने बताया कि बोरों में मांस भरा हुआ है। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि यह किस जानवर का मांस है। पुलिस ने सभी बोरों को अपने कब्जे में ले लिया है। पुल के नीचे कई बोरों में मांस मिलने से सनसनी फैल गई।मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया। टीम ने मौके से सैंपल एकत्र किए हैं। मांस की पहचान के लिए सैंपल को लैब भेजा गया है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि मांस से भरे बोरे यहां किसने और क्यों फेंके।

नगर थाना प्रभारी देवेंद्र सिंह के अनुसार, घटना से जुड़े सुराग ढूंढने के लिए आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। उन्होंने बताया कि बोरे छावनी थाना क्षेत्र में मिले हैं।

छप्पर में लगी आग, झुलसी भैंस, ग्रामीणों ने बचाई जान

हरैया। कप्तानगंज थाना क्षेत्र के बनहा गांव में मंगलवार को एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। सुबह साढ़े दस बजे रामस्वरूप के घर में भैंस के छप्पर में आग लग गई। रामस्वरूप ने अपने घर के पास भैंस के लिए छप्पर बनवा रखा था। सर्दी से बचाव के लिए जल रहे अलाव की चिंगारी तेज हवा के झोंके से उड़कर छप्पर तक पहुंच गई। इससे छप्पर में आग लग गई। आग की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। सभी ने मिलकर छप्पर के नीचे बंधी भैंस को बाहर निकाला। तब तक भैंस बुरी तरह झुलस चुकी थी। ग्रामीणों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आग पर काबू पा लिया।तेज हवा चल रही थी।

मीसा भारती के साथ ईडी दफ्तर पहुंचीं राबड़ी देवी

तेज प्रताप यादव से भी चल रही पूछताछ

पटना। जमीन के बदले नौकरी मामले में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और उनके बड़े बेटे तेजप्रताप यादव से प्रवर्तन निदेशालय ने आज पूछताछ के लिए बुलाया। राबड़ी देवी ईडी के दफ्तर पहुंच गई हैं, उनके साथ बेटी मीसा भारती भी मौजूद हैं। दोनों राबड़ी आवास से एक ही गाड़ी में सवार होकर ईडी दफ्तर पहुंची। इनके पहुंचे के करीब एक घंटे बाद तेजप्रताप यादव भी ईडी दफ्तर पहुंचे हैं। यह पहली बार है जब जमीन के बदले नौकरी मामले में तेजप्रताप यादव से पूछताछ की जा रही। इधर, राबड़ी देवी और मीसा भारती के पहुंचते ही ईडी दफ्तर के बाहर राजद समर्थकों की भीड़ जुट गई है, जो केन्द्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। वहीं राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को भी ईडी ने 19 मार्च को पूछताछ के लिए बुलाया है। बता दें कि इससे पहले जमीन के बदले नौकरी मामले में 11 मार्च को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई हुई थी। लालू यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव और बेटी हेमा यादव सुनवाई के दौरान कोर्ट पहुंचे थे। सभी आरोपियों को कोर्ट से जमानत मिल गई थी। राजद ने कहा- जनता सब देख रही विधान मंडल सत्र के बीच जमीन के बदले नौकरी मामले में ईडी की कार्रवाई से सियासत गरमा गई है। विपक्षी नेताओं के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई से राजनीतिक माहौल गरमाया हुआ है। राजद ने आरोप लगाया कि चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी ऐसा करते रहती है। इसमें कोई नई बात नहीं है। जनता सब देख रही है। पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार के सदस्यों पर नौकरी के बदले लोगों से जमीन लेने या उनके परिवार को कम दाम पर बेचने के लिए दबाव बनाने का आरोप है। यह घोटाला उस समय हुआ, जब साल 2004-2009 तक लालू प्रसाद यादव रेल मंत्री थे। सीबीआई ने चार्जशीट में आरोप लगाया है कि रेलमंत्री रहते हुए लालू यादव ने नियमों को ताक पर रखते हुए भर्तियां की थीं।

हत्या के प्रयास का आरोपी एक साल से फरार

जमुई। के गरही थाना क्षेत्र में पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में फरार दो आरोपियों के घरों पर इश्तेहार चिपकाया है। मूरबरो गांव में पुलिस ने ढोल बजाकर इसकी सार्वजनिक घोषणा की। आरोपी जियाउद्दीन अंसारी पिछले एक साल से फरार है। दूसरा आरोपी मुस्ताकीन मियां तीन महीने से पुलिस की पकड़ से दूर है। दोनों पर हत्या के प्रयास का आरोप है। पुलिस लगातार दबिश दे रही थी। न्यायालय के आदेश पर यह कार्रवाई की गई।गरही थाना अध्यक्ष अनिरुद्ध शास्त्री ने कहा कि आरोपियों को जल्द आत्मसमर्पण करना होगा। ऐसा न करने पर उनकी संपत्ति की कुर्की-जब्ती की जाएगी।पुलिस ने ग्रामीणों से आरोपियों की जानकारी मिलने पर तुरंत सूचित करने की अपील की है। कार्रवाई के दौरान गांव में बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। स्थानीय लोगों का मानना है कि अब आरोपियों का कानून से बचना मुश्किल होगा।

सीएम नीतीश कुमार ने बिहार को दिया बड़ी सौगात हर घर नल का जल योजना के तहत 7166 करोड़ की जलापूर्ति परियोजनाओं का किया उद्घाटन और शिलान्यास

पटना/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को राज्य की पेयजल व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल की। उन्होंने हर घर नल का जल निश्चय योजना के अंतर्गत 7166 करोड़ छह लाख रुपये लागत की जलापूर्ति योजनाओं और भवन संरचनाओं का रिमोट के माध्यम से उद्घाटन और शिलान्यास किया। यह कार्यक्रम मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास 1, अणे मार्ग स्थित संकल्प सभागार में संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 83 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के मुख्यालय भवन का भी शिलान्यास किया।हर ग्रामीण परिवार को 70 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन जलापूर्ति सुनिश्चित की जा रही है, जो कि राष्ट्रीय औसत से 16 लीटर अधिक है। उन्होंने बताया कि हर घर नल का जल योजना की प्रशंसा आज पूरे देश में हो रही है और इसके तहत बनी

सभी जलापूर्ति योजनाओं का संचालन और रख-रखाव विभाग द्वारा ही किया जा रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि जिन योजनाओं का आज शिलान्यास किया गया है, उन्हें समय पर पूरा करना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि इस महत्वाकांक्षी योजना का क्रियान्वयन बेहतर ढंग से होता रहे और सभी जलापूर्ति योजनाओं का मेंटेनेंस सुदृढ़ हो, ताकि राज्य के लोगों को नियमित, स्वच्छ और निर्बाध जल आपूर्ति में कोई बाधा न हो। इस अवसर पर मुख्यमंत्री को प्रधान सचिव पंकज कुमार द्वारा एक हरित पौधा और प्रतीक चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग की उपलब्धियों पर आधारित एक लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई, जिसमें अब तक हुए कार्यों और योजनाओं की झलक प्रस्तुत की गई। इस कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण मंत्री नीरज कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा, विकास आयुक्त प्रत्यय अमृत, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के विशेष सचिव संजीव कुमार समेत कई अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे। वहीं, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिलों के जिलाधिकारी और विभागीय अधिकारी भी जुड़े।

पंचायत से लौट रहे लोगों पर हमला

जमुई । टाउन थाना क्षेत्र के ढंढ गांव में सोमवार रात एक घटना सामने आई। बच्चों के बीच हुए विवाद को सुलझाने के लिए बुलाई गई पंचायत से लौट रहे लोगों पर हथियारबंद बदमाशों ने गोलीबारी कर दी। घटना में 60 साल की चानो महतो और 59 साल की सूमा देवी गंभीर रूप से घायल हो गए। चानो महतो के सीने से होते हुए हाथ को छूकर गोली निकल गई। सूमा देवी के जांघ में गोली लगी। दोनों घायलों को पहले सदर अस्पताल ले जाया गया। गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को पीएमसीएच पटना रेफर कर दिया। मामला गांव के अविनाश महतो और उनके मौसा के रिश्तेदार रंजीत महतो के बीच विवाद का है। बच्चों की लड़ाई के बाद दोनों के बीच मारपीट हुई थी। स्थानीय लोगों ने पंचायत बुलाकर मामले को सुलझा लिया था। पंचायत से लौटते समय अविनाश महतो के साले और उसके 5 साथी हथियार लेकर काली मंदिर के रास्ते पहुंचे और गोलीबारी शुरू कर दी।बदमाशों ने लगभग आधा दर्जन राउंड फायरिंग की। इस घटना से गांव में दहशत फैल गई और लोग इधर-उधर भागने लगे। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। घटना की जानकारी के बाद टाउन थाने के थानाध्यक्ष अरुण कुमार शेखर सौरव अपने दलबल के साथ सदर अस्पताल पहुंचे। पुलिस घायल चानो महतो का बयान दर्ज करते हुए पूरे मामले की छान बीन में जुट गई है। टाउन थानाध्यक्ष अरुण कुमार ने बताया कि जो दो पक्षों के बीच हुए विवाद के बाद गोलीबारी की घटना सामने आई है। जोधी महतो का बेटा और अविनाश महतो की ओर से गोलीबारी करने की जानकारी मिली है।

त्रिपुरी घाट रोड पर किराना दुकान में आगजनी

जमुई । के त्रिपुरी घाट रोड पर स्थित एक किराना दुकान में अज्ञात बदमाशों ने आग लगा दी। इस घटना में लगभग 50 हजार रुपए का नुकसान हुआ है। गुमटी में संचालित यह दुकान संतोष कुमार दास की है। घटना रात करीब 2 बजे की है। चार से पांच की संख्या में आए बदमाशों ने गमछे से अपना चेहरा ढक रखा था। आगजनी के बाद उन्होंने घर पर ईंट भी फेंकी। दुकान में रखे साबुन, शैम्पू, कोल्ड ड्रिंक और पानी की बोतलें जलकर राख हो गईं। गल्ले में रखे एक हजार रुपए भी जल गए। प्राइवेट स्कूल में शिक्षक हैं पीड़ित संतोष कुमार दास मूल रूप से शिवनडीह वार्ड नंबर-22 के रहने वाले हैं। वे 2020 से त्रिपुरी घाट रोड क्षेत्र में रह रहे हैं। एक प्राइवेट स्कूल में शिक्षक हैं और दुकान उनके बेटे की ओर से संचालित की जाती है। उन्होंने बताया कि किसी से कोई दुश्मनी नहीं है।सुबह 4 बजे जब वे शौच के लिए उठे, तब घटना का पता चला।

नाला ओवरफ्लो से सड़कों पर गंदा पानी

किशनगंज। कालू चौक स्थित वार्ड नंबर-32 में नाला टूटने से गंदा पानी सड़कों पर फैल गया है। इस समस्या से खगड़ा मेला और सब्जी मंडी तक का क्षेत्र प्रभावित हुआ है। एक सप्ताह से पुरानी नाली के टूटने और नाला भर जाने से दूषित पानी सड़कों पर बह रहा है। यह रास्ता मच्छमाड़ा, पासवान टोला और कर्बला चौक को जोड़ता है। स्थानीय लोग और वाहन चालक इस समस्या से परेशान हैं। स्थानीय निवासी तबीला खातून ने बताया कि नगर परिषद ने अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की है। रमजान के दौरान लोगों को गंदे पानी को पार कर आना-जाना पड़ रहा है। वार्ड के निवासी मुनासिर आलम के अनुसार, इस मार्ग से नगर परिषद और जिला प्रशासन की गाड़ियां रोज गुजरती हैं। पहले से क्षतिग्रस्त सड़क की समस्या के साथ अब नालियों की समस्या भी जुड़ गई है।खगड़ा मेला में लगी सब्जी की दुकानें और व्यापार इस समस्या से प्रभावित हो रहे हैं। स्थानीय लोगों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का भी डर सता रहा है। दस दिन बीत जाने के बाद भी नगर परिषद के किसी भी कर्मचारी ने मौके का मुआयना नहीं किया है।

भीषण आग से तबाही दिघली गांव में 6 से ज्यादा घर जले

किशनगंज। के ठाकुरगंज ब्लॉक अंतर्गत छैतल पंचायत के दिघली गांव से एक बड़ी आगजनी की घटना सामने आई है। एक घर में लगी आग ने आसपास के कई घरों को अपनी चपेट में ले लिया। इससे गांव में हड़कंप मच गया। तेजी से फैली आग की चपेट में कई एक घर में खाना बनाने के दौरान अचानक आग लग गई। आग की लपटें तेजी से फैली और आधा दर्जन से अधिक आवासीय घरों को अपनी चपेट में ले लिया। ग्रामीणों ने तत्काल दमकल विभाग और ठाकुरगंज थाना को सूचना दी। दमकल नहीं पहुंचा, गांववालों ने बुझाई आग दमकल विभाग के नहीं पहुंचने पर स्थानीय लोगों ने खुद ही आग बुझाने का काम शुरू किया। कई घंटों की कोशिश के बाद गांववालों ने मिलकर आग पर काबू पाया। इससे गांव के अन्य घरों को आग से बचा लिया गया।घरेलू सामान जलकर खाक, दस्तावेज भी जले इस हादसे में घरेलू सामान को भारी नुकसान पहुंचा है। कपड़े, बर्तन, अनाज, धान और मकई पूरी तरह जल गए। कई पुआल के ढेर भी आग की चपेट में आ गए। सबसे बड़ा नुकसान यह हुआ कि प्रभावित परिवारों के जमीन के कागजात और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज भी जलकर राख हो गए। इससे अब उन्हें कई तरह की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। प्रभावितों की सरकार से मुआवजे की मांग आग पर काबू पाने के बाद ठाकुरगंज थाना अध्यक्ष ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सूचना देने के बावजूद अग्नि विभाग मौके पर नहीं पहुंचा। इस घटना में लाखों की संपत्ति का नुकसान हुआ है। पीड़ित परिवारों ने सरकार से मुआवजे की मांग की है।

भव्य होगा बिहार दिवस समारोह, पटना और दिल्ली में दिखाई जाएगी बिहार की संस्कृति

पटना/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव । 22 मार्च से राजधानी पटना में बिहार का 113वां स्थापना दिवस समारोह शुरू होगा। राजधानी पटना के गांधी मैदान में आयोजित तीन दिवसीय बिहार दिवस समारोह का उद्घाटन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार करेंगे जबकि समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान भी उपस्थित रहेंगे। बिहार दिवस समारोह में एक तरफ जहां बिहार की संस्कृति के साथ ही बिहार के प्रमुख पर्यटक स्थलों को थ्री डी प्रतिकृति में दिखाया जाएगा तो दूसरी तरफ श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल और रविन्द्र भवन में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया जाएगा। बिहार दिवस समारोह का आयोजन पटना के साथ ही राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भी किया जाएगा। बिहार दिवस को लेकर दिल्ली में बिहार उत्सव 2025 का आयोजन 16 मार्च से शुरू कर दिया गया है जो कि 31 मार्च चलेगा। वहीं नई दिल्ली में आईएनए स्थित दिल्ली हाट में बिहार उत्सव 2025 का आयोजन किया गया है. 16 मार्च से 31 मार्च तक आयोजित इस समारोह में बिहार की गौरवशाली कला, संस्कृति और परंपराओं की भव्य झलक देखने को मिल रही है. इस भव्य उत्सव में बिहार के ग्रामीण कारीगर, बुनकर और हस्तशिल्पी अपनी अनमोल कृतियों के साथ उपस्थित हैं, जिससे आगंतुक बिहार की विशिष्ट कला और शिल्प को करीब से अनुभव कर सकेंगे. विशेष रूप से 22 मार्च को बिहार दिवस के उपलक्ष्य में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भव्य प्रस्तुति भी की जाएगी. इसमें पारंपरिक लोक संगीत और नृत्य दर्शकों को बिहार की सांस्कृतिक विरासत से सीधे जोड़ेंगे. इस कार्यक्रम का उद्घाटन कुंदन कुमार, आईएएस, बिहार भवन के रेजिडेंट कमिश्नर ने किया, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में शेखर आनंद, आईएएस, डायरेक्टर, टेक्निकल डेवलपमेंट, उपस्थित रहे. रेजिडेंट कमिश्नर कुंदन कुमार ने कहा- बिहार उत्सव केवल कला और संस्कृति का प्रदर्शन नहीं, बल्कि यह बिहार की विरासत को देश-दुनिया से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण मंच है. हमें विश्वास है कि इस उत्सव से दिल्लीवासियों को बिहार की अनूठी कला के प्रति रुचि बढ़ेगी और वे बिहार की यात्रा के लिए भी प्रेरित होंगे. विशिष्ट अतिथि शेखर आनंद ने कहा, ह्यबिहार उत्सव जैसे आयोजनों से हमारे कारीगरों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान मिलती है. यह न सिर्फ उनके हुनर को बढ़ावा देता है, बल्कि राज्य की आर्थिक समृद्धि और सांस्कृतिक संरक्षण में भी अहम योगदान देता है. उत्सव में भाग ले रहे कारीगर बिहार की प्रसिद्ध सिल्क, खादी, मधुबनी, टिकुली, मंजूषा पेंटिंग्स, सूजनी कढ़ाई, सिक्की कला, लकड़ी व बॉस के उत्पाद सहित कई हस्तशिल्पों का विस्तृत प्रदर्शन कर रहे हैं। साथ ही, बिहार के लजीज व्यंजन भी स्टॉल्स पर उपलब्ध हैं. बिहार उत्सव 2025, बिहार सरकार द्वारा आयोजित एक वार्षिक आयोजन है, जिसका उद्देश्य बिहार की कला, संस्कृति और परंपरा को देशभर के लोगों तक पहुंचाना है.

संक्षिप्त डायरी

नेपाल बॉर्डर पर यूरिया तस्करी का भंडाफोड़

किशनगंज। के टेढ़ागाछ ब्लॉक में सोमवार को यूरिया की कालाबाजारी का खुलासा हुआ। भोरहा गांव में स्थानीय ग्रामीणों की सूचना पर कृषि विभाग की कार्रवाई में यूरिया और खाद का खेप पकड़ा गया। तस्कर इस खेप को नेपाल ले जा रहे थे।यूरिया और खाद तस्करों का पर्दाफाशभोरहा पंचायत के भोरहा गांव में स्थानीय ग्रामीणों ने कृषि विभाग को सूचना दिया कि कुछ लोग यूरिया और खाद को नेपाल ले जा रहे हैं। सूचना मिलते ही प्रखंड कृषि समन्वयक सुमंत कुमार अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। टेढ़ागाछ पुलिस की मदद से की गई कार्रवाई में मौके से 12 बोरा यूरिया और खाद बरामद किया गया। हालांकि, कारोबारी माल छोड़कर फरार हो गया।कार्रवाई जारी, फरार कारोबारी की तलाश कृषि समन्वयक सुमंत कुमार ने बताया कि जब्त किए गए यूरिया और खाद पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस फरार कारोबारी का पता लगा रही है। अधिकारियों का मानना है कि इस तरह की कालाबाजारी से किसानों को नुकसान होता है।यूरिया तस्करी कर अवैध रूप से पहुंचा रहे नेपाल किशनगंज से सटा नेपाल बॉर्डर तस्करी को लेकर हमेशा सुर्खियों में रहता है। अब एक बार फिर ऐसा ही मामला सामने आया है। बिहार से यूरिया को तस्करी कर अवैध रूप से नेपाल पहुंचाया जा रहा है। तस्कर यूरिया को साइकिल और बाइक से नेपाल के बाजार में पहुंचा रहे हैं। इस काले धंधे में भारतीय क्षेत्र के दुकानदार और व्यापारी भी शामिल हैं। दुकानों पर रेट चार्ट या स्टॉक की सूची नहीं होती। इससे किसानों से मनमाना पैसा वसूलना आसान होता है।

नाव हादसा, बाल बाल बचे लोग

कटिहार। के अमदाबाद थाना क्षेत्र में मंगलवार की सुबह बड़ा नाव हादसा होते-होते बच गया। गदाई दियारा से मनिहारी जा रही परवल से लदी नाव गंगा नदी के बीच धार में पलट गई। गनीमत रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। बीच धार में पलटी नाव, मची अफरा तफरीयह घटना मेघु टोला गांव के सामने हुई। हादसे के वक्त नाव में करीब 36 लोग सवार थे। सभी गदाई दियारा से परवल सब्जी तोड़कर मनिहारी बाजार में बेचने जा रहे थे। बताया जा रहा कि तेज हवा के कारण नाव अनियंत्रित होकर पलट गई। नाव पलटते ही मौके पर अफरा तफरी मच गई।मछुआरों ने सभी यात्रियों को सुरक्षित निकालास्थानीय मछुआरों की सतर्कता के चलते कई लोगों की जान बचा गई। हादसे के बाद फौरन मछुआरों ने एक एक कर सभी यात्रियों को सुरक्षित बचा लिया। 30 क्विंटल परवल नदी में बही फिलहाल, किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। हालांकि, हादसे में नाव पर लोड किया गया लगभग 30 क्विंटल परवल नदी में बह गया। इससे किसानों को काफी नुकसान हो गया है।

तिलक से 6 दिन पहले इंजीनियर की हत्या

नालंदा। में तिलक से एक हफ्ते युवक का कुएं में शव मिला है। उसकी बॉडी कुएं में ईंट से बंधी थी। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने सीढ़ी लगाकर शव को कुएं से बाहर निकाला। जांच में डॉग स्क्वायड और ऋछ की टीम की मदद ली जा रही है। युवक की पहचान विजय सिंह के बेटे नीरज उर्फ झुन्ना (32) के रूप में हुई है। वो पेश से इंजीनियर था और साथ ही जमीन का कारोबार भी करता था। इसके अलावा महिंद्रा ऑटोमोबाइल की भी एजेंसी ले रखी थी। 24 मार्च का उसका तिलक और फलदान होने वाला था।कुएं में नीरज का शव मिलने की जानकारी तब हुई, जब ग्रामीणों को कुएं के पास से उसकी चप्पल, चश्मा और कुछ सामान मिला। वहीं, जांच के दौरान FSL की टीम को मौके से एक 9 का कारतूस भी मिला है। कुएं के पास खून के निशान भी मिले हैं। वहीं, घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने राजगीर गिरियक मुख्य मार्ग पर टायर जलाकर सड़क जामकर प्रदर्शन शुरू कर दिया है। लोग हत्या कर सबूत को छुपाने की बात कर रहे हैं। घटना राजगीर थाना क्षेत्र के नई पोखर मोहल्ले का है।मृतक नीरज बड़ा पूंजीपति था और राजगीर में होटल भी बनवा रहा था। पिता फौज में थे। परिजनों ने बताया- 'सोमवार शाम नीरज खाना खाने के बाद टहलने के लिए घर से बाहर निकला था। लेट होने पर उससे रात करीब 9 बजे कॉल किया। उसका मोबाइल स्विच ऑफ था। कई बार कॉल किया, लेकिन फोन नहीं लगा। जिसके बाद हमलोगों ने उसकी खोजबीन शुरू की।'काफी खोजबीन के बाद कुछ पता नहीं चला तो इसकी शिकायत करने राजगीर थाना पहुंचे। जानकारी मिलने के बाद पुलिस उसके मोबाइल लोकेशन के आधार पर जांच शुरू की। वहीं, हमलोग थाना से बाहर आए तो मोहल्ले के बाहर कुएं के पास नीरज की चप्पल और अन्य सामान फेंका हुआ देखा। इस मामले में राजगीर थाना अध्यक्ष रमन कुमार ने बताया- 'मौके पर डॉग स्क्वॉयड और FLS की टीम जांच कर रही है। शव को कुएं से बाहर निकालकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। फिलहाल परिजनों से पूछताछ की जा रही है। किसी से विवाद का मामला अब तक सामने नहीं आया है। पुलिस हर एंगल से मामले की जांच कर रही है।

एक फंदे से लटकी मिली 3 साल की बेटी-मां

मुजफ्फरपुर। में लीची बगान से मां-बेटी का फंदे से लटका शव मिला है। महिला अर्धनग्न अवस्था में है और एक ही साड़ी से बने फंदे में दोनों लटकी हुई मिलीं। स्थानीय लोगों ने हत्या की आशंका जताई है। घटना मंगलवार की सुबह जिले के सकरा थाना क्षेत्र के पिलखी गांव का है। फिलहाल पुलिस ने दोनों के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए SKMCH भेज दिया है। मृतका की उम्र करीब 30 साल और बच्ची की उम्र लगभग 3 साल बताई जा रही है, लेकिन अभी तक दोनों की पहचान नहीं हो सकी है। दोनों मां-बेटी की पहचान के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया जा रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया, 'सुबह जब टहलने निकले तो लीची बागान में महिला और बच्ची के शव को फंदे से लटका देखा। इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी।' फिलहाल पुलिस और FSL की टीम जांच कर रही है।स्थानीय राजीव कुमार सिंह ने बताया, ' गांव के लोगों ने शव को लीची के बागीचा में देखा है। लीची के पेड़ में कपड़े के फंदे से एक महिला और एक मासूम बच्ची लटकी हुई थी। शव देखने के बाद पूरे गांव में सनसनी फैल गई। हमलोगों ने पुलिस को इसकी जानकारी दी।

संक्षिप्त समाचार

फोटो वायरल करने की धमकी देकर 80 लाख रुपये की वसूली में एक और काबू

गुरुग्राम। फोटो वायरल करने की धमकी देकर करीब 80 लाख रुपए की ठगी कर ली गई। पुलिस ने इस ठगी के मामले में एक और आरोपी गिरफ्तार। आरोपी के कब्जा से एक लाख रुपये बरामद किए गए हैं। पुलिस प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि अब से पहले इस केस में 7 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। साथ ही 40 लाख रुपये बरामद किए जा चुके हैं। पुलिस के अनुसार 21 दिसंबर 2024 को पुलिस थाना सेक्टर-10 गुरुग्राम में एक महिला ने एक लिखित शिकायत दी थी। शिकायत में कहा गया कि उसके बैंक खाते में उनकी जमीन के रुपए आए थे। उसके बैंक खाता की ऑनलाइन बैंकिंग को उसकी 15 वर्ष की पोती चलाती है। कुछ लोगों द्वारा उसकी 15 वर्षीय पोती को फोटो वायरल करने की धमकी देकर/ब्लैकमेल करके इसके खाते से करीब 80 लाख रुपए ट्रांसफर करवा लिए। इस शिकायत पर थाना सेक्टर-10 गुरुग्राम में केस दर्ज किया गया। सेक्टर-10 थाना प्रबंधक निरीक्षक रामबीर व अन्य पुलिस टीम ने कार्यवाही करते हुए इस मामले में एक और आरोपी को 17 मार्च 2025 को पटौदी से काबू किया। आरोपी की पहचान फरदीन निवासी गांव जांक जिला नूंह के रूप में हुई है। इस केस में अब तक 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस पूछताछ में आरोपियों से पता चला है कि उन्होंने फर्जी पुलिस अधिकारी बनकर गिरफ्तारी का भय दिखाकर पीड़िता से रुपए ट्रांसफर करवाए थे। पुलिस टीम द्वारा आरोपी फरदीन के कब्जा से 1 लाख रुपए बरामद किए हैं। इस केस में पुलिस टीम द्वारा अब तक कुल 40 लाख रुपए बरामद किए जा चुके हैं।

फिलपकार्ट पर पेमेंट करवाने के नाम पर धोखाधड़ी, तीन गिरफ्तार

फरीदाबाद। फिलपकार्ट पर पेमेंट करवाने के नाम पर ठगी करने के एक मामले में साइबर थाना सेन्ट्रल की टीम ने वडोदरा, गुजरात से तीन आरोपी शिवम सिंह, सुमित मकरवाना व कुनाल को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि साइबर थाना सेन्ट्रल में अशोका एनक्लेव-1, सेक्टर-34 में रहने वाली एक महिला ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि उसके पास 12 नवंबर को एक कॉल आई, जिस पर ठगों ने बोला कि फिलपकार्ट के ऑडर के लिए तीन हजार रुपए की पेमेंट पेंडिग है। जिस पर शिकायतकर्ता ने पहले 1180 रुपए, उसके बाद 2248 रुपए की पेमेंट की, इसके बाद ठगों ने वापिस कॉल कर कहा कि पेमेंट नहीं आई है और उन्होंने पांच हजार 726 रू. पेमेंट करने को कहा और यह भी बताया कि बाकी रुपये वापिस भेज दिए जाएंगे, इस प्रकार ठगों ने शिकायतकर्ता से बार-बार फोन कर कुल 12 बार में एक लाख 67 हजार 521 रुपए पेमेंट कराकर ठगी कर ली। जिसके संबंध में थाना साइबर सेन्ट्रल में मामला दर्ज किया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि साइबर थाना सेंट्रल की टीम कुणाल, सुमित मकरवाना व शिवम वासियान वड़ोदरा गुजरात को वड़ोदरा से गिरफ्तार किया है। आरोपियों से पुछताछ में सामने आया कि कुनाल खाताधारक है, जिसने अपना खाता सुमित को बेचा था, सुमित ने यह खाता आगे शिवम को बेचा दिया और शिवम ने खाता को आगे ठगों को बेचा। आरोपियों को पुछताछ के लिए मंगलवार को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें पांच दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया।

पलवल जिला के लिए बेहतरीन रहा राज्य सरकार का बजट : गौरव गौतम

पलवल। हरियाणा के खेल, युवा उद्यमिता एवं कानून राज्य मंत्री गौरव गौतम ने मंगलवार को कहा कि पूरे हरियाणा सहित पलवल जिला के लिए बजट बेहतरीन और शानदार रहा है। हर वर्ग व हर क्षेत्र की चिंता इस बजट में की गई है। बजट में महिला, युवा, किसान, गरीब कल्याण सहित हर वर्ग के उत्थान की बात की गई है। चाहे इंफ्रास्ट्रक्चर, सड?, रेलवे, स्कूलों व शिक्षा की बात हो हर क्षेत्र में काम करने के लिए बजट पेश किया गया है। उन्होंने कहा कि बजट में पलवल जिला में ट्रामा सेंटर की मांग सरकार द्वारा मानी गई है। उन्होंने कहा कि जिला के गांव पेलक में इस वित्तवर्ष से मेडिकल कॉलेज शुरू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा पलवल जिले में बड़ा बागवानी अनुसंधान केंद्र स्थापित किए जाने का प्रस्वात भी बजट में रखा है। हरियाणा सरकार द्वारा उठाए गए इस सराहनीय कदम से बागवानी उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि युवा एवं खेल विभाग के बजट में भी 41 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। उन्होंने कहा कि बजट से हर वर्ग को फायदा मिलेगा। उन्होंने जब से पलवल बना है पहली बार पलवल में हर खेल के लिए कोच की नियुक्ति हुई है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में पलवल जिला अलग दिखाई देगा। उन्होंने कहा कि पलवल के नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम में खिलाडि?ों को हर प्रकार की सुविधाएं प्रदान की जाएंगी, हर कोच जिला पलवल में होगा ताकि खिलाडि?ों की खेल प्रतिभा में निखार आए। उन्होंने कहा कि पलवल का एक-एक चौराहा सीसीटीवी की नजर में कैद होगा। पलवल के हर चौक का सौंदर्यकरण किया जाएगा।

चेन स्नैचिंग की वारदात करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। चैन स्नैचिंग की वारदात को अंजाम देने वाले दो आरोपियों को क्राइम ब्रांच सेक्टर-30 की टीम ने गिरफ्तार कर सोने की चेन बरामद की है। पुलिस प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि सेक्टर 29 में रहने वाली महिला ने पुलिस चौकी सैक्टर-28 में दी अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि वह अपनी कामवाली बाई के साथ घर के बाहर खड़ी थी तभी अचानक दो बाइक सवार उसकी सोने की चैन व लॉकेट छीन कर भाग गए। इस संबंध में थाना सेक्टर 31 में स्नैचिंग की धाराओं में मामला दर्ज किया गया। क्राईम ब्रांच सैक्टर-30 ने गुप्त सुत्रों से प्राप्त सूचना पर आरोपी नितेश निवासी बाबाराम कालोनी भूपानी फरीदाबाद व अक्षय निवासी उत्तम नगर दिल्ली को तिंगाव रोड़ से काबू किया है । आरोपियों से पुछताछ में सामने आया है कि अक्षय नशा करने का आदी है वहीं नितेश आटो चलाता है। अक्षय पर पुर्व में आर्म्स एक्ट व मोबाईल स्नैचिंग के कुल 5 मामले दर्ज है । मामले में छीनी गई चैन को बरामद कर लिया गया है। पूछताछ के बाद आरोपियों को माननीय अदालत में पेश करके जेल भेजा गया है।

शार्ट सर्किट से लगी दुकान में आग, लाखों का नुकसान

फरीदाबाद। सेक्टर-37 स्थित सराय ख्वाजा मार्केट के बजरंग चौक पर सोमवार देर रात एक पावर टूल रिपेयरिंग की दुकान में शॉर्ट सर्किट की वजह से भीषण आग लग गई। दुकान में आग लगते ही बाजार में अफरा तफरी का माहौल बन गया। सूचना पाकर पहुंची फायर बिग्रेड की टीम ने कई घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। दुकान में आग लगने से करीब 15 लाख रूपए का नुकसान हुआ है। फरीदाबाद के नहर पाल पल्ला इलाके के रहने वाले नरेश ने बताया कि, सराय ख्वाजा मार्केट के बजरंग चौक पर उन्होंने शिव पावर टूल्स के नाम से मोटर रिपेयरिंग की दुकान खोली हुई है। सोमवार की रात वह दुकान बंद करके अपने घर चले गए थे। कुछ ही समय बाद उनके पास पड़ोसी दुकानदार का कॉल आया कि उसकी दुकान में आग लग गई है। नरेश ने बताया कि इस आग में उनकी दुकान में रखी मशीनें और सामान जलकर राख हो गया है। नरेश के मुताबिक उनका करीब 15 लाख रूपए का नुकसान हुआ है। दुकान में आग लगने के कारणों का अभी पक्का पता नहीं चल पाया है। आग बुझाने के लिए मौके पर पहुंचे दमकल विभाग के कर्मचारियों का मानना है कि प्रथम नजर में ऐसे लग रहा है कि दुकान के अंदर शॉर्ट सर्किट होने से आग लगी है। उन्होंने बताया कि जैसे ही आग लगने की सूचना उनको मिली वो पानी की गाड़ी लेकर मौके पर पहुंच गए थे। पीड़ति नरेश ने कहा कि सूचना देने के करीब 1 घंटे बाद फायर बिग्रेड की गाड़ी मौके पर पहुंची। जब तक फायर बिग्रेड की गाड़ी पंहुची तब तक दुकान में लगभग सारा सामान जल चुका था। अगर वक्त रहते फायर बिग्रेड की गाड़ी आ जाती, तो उनका काफी सामान बच सकता था।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान का असर- हरियाणा में लिंगानुपात 835 से बढ़कर 910 हुआ, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का दावा

हरियाणा।

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने बजट सत्र के दौरान प्रदेश में बढ़ते लिंगानुपात को लेकर एक महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 23 जनवरी 2015 को पानीपत से शुरू किए गए 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' अभियान का सकारात्मक असर हुआ है। अभियान के चलते लोगों में जागरूकता बढ़ी और राज्य में लिंगानुपात, जो 2015 में 835 था, अब बढ़कर 910 हो गया है। मुख्यमंत्री ने सदन में बोलते हुए स्पष्ट किया कि यह कोई राजनीतिक अभियान नहीं था, बल्कि बेटियों के प्रति समाज की सोच बदलने के लिए इसे चलाया गया था। प्रधानमंत्री ने देश में घटते लिंगानुपात को लेकर चिंता व्यक्त की थी और इसके समाधान के लिए

यह राष्ट्रव्यापी पहल की थी। राज्य सरकार ने भी इस दिशा में तेज़ी से कार्य किया, जिससे बेटियों के प्रति लोगों की मानसिकता बदली और लिंगानुपात में सुधार हुआ।

मुख्यमंत्री सैनी ने सदन में यह भी कहा कि कांग्रेस सरकार के समय बुजुर्गों को वृद्धावस्था सम्मान भत्ता योजना का लाभ लेने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ता था। लेकिन वर्तमान सरकार ने ऐसी व्यवस्था कर दी है कि जैसे ही कोई व्यक्ति 60 वर्ष की आयु पूरी करता है, उसकी पेंशन ऑटोमैटिक शुरू हो जाती है।

अब बुजुर्गों को पेंशन के लिए इंतजार नहीं करना पड़ता, जिससे उनकी ज़िंदगी और आसान हो गई है। सरकार के इन प्रयासों से प्रदेश में सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने और लैंगिक संतुलन को बेहतर बनाने की दिशा में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहे हैं।

डकैती के केस में बावरिया गैंग के 8 दोषियों को 10 साल की कैद

गुरुग्राम। आठ साल पहले मारपीट व डकैती के केस में यहां की एक अदालत ने बावरिया गैंग के 8 आरोपियों को मंगलवार को दोषी ठहराया। उन्हें 10 साल कठोर कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही उन पर जुर्माना भी लगाया गया है। पुलिस के अनुसार 11 अगस्त 2016 को एक व्यक्ति ने थाना मानेसर जिला गुरुग्राम में शिकायत दी थी। शिकायत में कहा गया था कि 10/11 अगस्त 2016 की रात को गांव नैनवाल में कुछ व्यक्तियों ने उनके घर का दरवाजा खटखटाया। उसने दरवाजा खोला तो उन व्यक्तियों ने उसके साथ मारपीट करनी शुरू कर दी। आनन-फानन में उसने दरवाजा बंद कर लिया। इसके बाद हमलावर वहां से फरार हो गए। इस शिकायत पर शिकायत पर थाना मानेसर में केस दर्ज किया गया। पुलिस टीम द्वारा इस मामले की जांच में पता चला कि हमले के आरोपियों द्वारा इस दौरान गांव सहरावन में भीउसी रात एक परिवार के लोगों के साथ मारपीट कर डकैती की वारदात को अंजाम दिया था। कुछ अन्य सबूतों के आधार पर पुलिस टीम द्वारा इस केस में डकैती, शस्त्र अधिनियम से संबंधित धाराएं जोड़ी।

इस मामले में कार्रवाई करते हुए गुरुग्राम पुलिस द्वारा 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों की पहचान पहचान जय भगवान निवासी छुछकवास जिला झज्जर (हरियाणा), राजबीर उर्फ नाहर सिंह निवासी शिव कॉलोनी जिला झज्जर (हरियाणा), राका उर्फ जितेंद्र उर्फ धर्मवीर निवासी गसिंगपुर जिला फर्रुखाबाद (उत्तर-प्रदेश), नरेश उर्फ संदीप निवासी गांव गसिंगपुर जिला फर्रुखाबाद (उत्तर-प्रदेश), लंबू उर्फ तुली उर्फ विनय निवासी गांव कबूलपुर जिला फरीदाबाद हाल निवासी गांव गोकलगढ़ जिला रेवाड़ी (हरियाणा), मुन्ना उर्फ लक्की उर्फ आयन निवासी दास गार्डन बापड़ोला नजफगढ़, दिल्ली, हेमंत उर्फ धर्म निवासी गांव बापड़ोला नजफगढ़, दिल्ली व सुनील उर्फ सागर निवासी गांव बांपोई आजाद नगर जिला फर्रुखाबाद (उत्तर-प्रदेश) के रूप में हुई।

गुरुग्राम पुलिस द्वारा आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद मामले की जांच गहनता से की गई। पुलिस ने इस मामले में आरोपियों के खिलाफ सभी आवश्यक साक्ष्य व गवाह एकत्रित करके अदालत में पेश किए। मंगलवार को एडिशनल सेशन जज गुरुग्राम पुनीत सहगल की अदालत ने आरोपियों के खिलाफ दिए गए साक्ष्यों व गवाहों के आधार पर दोनों आरोपियों को दोषी करार दिया। अदालत ने आरोपियों को धारा 458 आईपीसी के तहत 10 वर्षों की कैद (कठोर कारावास) व 5 हजार रुपए जुर्माना, धारा 398 आईपीसी के तहत 10 वर्षों की कैद (कठोर कारावास) व धारा 395 आईपीसी के तहत 10 वर्षों की कैद (कठोर कारावास) व 5 हजार रुपए जुर्माना तथा धारा 397 आईपीसी के तहत 10 वर्षों की कैद (कठोर कारावास) की सजा सुनाई।

गुरुग्राम पुलिस ने गुम हुए 151 मोबाइल तलाशकर मालिकों को सौंपे

-पुलिस की साइबर शाखा पश्चिम टीम द्वारा हासिल की गई यह उपलब्धि

गुरुग्राम।

स्थानीय पुलिस की साइबर शाखा पश्चिम टीम द्वारा आमजन के गुम हुए 40 लाख रुपये के 151 मोबाइल मोबाइल ढूंढे हैं। मंगलवार को ये मोबाइल असल मालिकों को सौंपा गया। गुरुग्राम की सभी पुलिस जोनों (पूर्व, पश्चिम, दक्षिण व मानेसर) की साईबर सैल की पुलिस टीमों द्वारा लोगों के गुम हुए मोबाइल फोन को सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर पोर्टल व तकनीकी सहायता से ढूंढकर बरामद किया जाता है। गुम हुए मोबाइल फोन को ढूंढकर बरामद करने उपरान्त पुलिस टीमों द्वारा मोबाइल फोन के असल मालिक को उनके गुम हुए मोबाइल फोन को ढूंढकर बरामद करने की सूचना दी

जाती है। उन्हें उनका मोबाइल फोन वापस लौटा दिया जाता है।

इसी कड़ी में इंचार्ज साईबर सेल पश्चिम गुरुग्राम अमित कुमार की पुलिस टीम को विभिन्न माध्यमों से प्राप्त हुई मोबाइल फोन की गुमशुदा शिकायतों/सूचनाओं पर कार्रवाई की गई। जनवरी व फरवरी 2025 माह के दौरान लोगों के गुम हुए 151 मोबाइल फोन को तकनीकी सहायता से तलाशा गया। बरामद किए गए इन मोबाईल फोन की कीमत करीब 40 लाख रुपए है। तलाशे गए फोन असल मालिकों को सौंपते हुए पुलिस उपायुक्त पश्चिम करण गोयल ने कहा कि वर्तमान समय मे मोबाइल फोन लोगों की एक अहम जरूरत बन गई है। स्मार्ट मोबाइल फोन के माध्यम से लोग अपने विभिन्न कार्य आसानी से कर लेते हैं। अपने मोबाइल फोन में ही अपने जरूरी दस्तावेज व जानकारी सुनिश्चित भी रखते हैं। जब किसी व्यक्ति का फोन गुम हो जाता है तो व्यक्ति को केवल आर्थिक नुकसान होता है। उसे मानसिक रूप से भी बहुत परेशानी होती है।

उन्होंने कहा कि गुरुग्राम पुलिस आम जनता से अपील करती है जब भी किसी का मोबाईल फोन गुम हो जाए तो उसकी शिकायत जरूर करें, ताकि आपके गुम हुए मोबाईल फोन को ढूंढकर आपको लौटाया जा सके।

गुरुग्राम पुलिस सदैव आपकी सेवा, सुरक्षा व सहयोग के लिए तत्पर है ।

सौरभ अग्रवाल बनाए गए जिला कांग्रेस कमेटी व्यापार मंडल के चेयरमैन

लखन कुमार सिंगला ने राज्य व जिला नेतृत्व का जताया आभार

गुरुग्राम।

हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी व्यापार मंडल के चेयरमैन लखन कुमार सिंगला ने गुरुग्राम में व्यापार सैल के जिला चेयरमैन की नियुक्ति की है।संगठन के प्रति सेवाओं को देखते हुए उन्होंने सौरभ अग्रवाल को जिला कांग्रेस कमेटी व्यापार मंडल के चेयरमैन का दायित्व सौंपा गया है।

अपनी नियुक्ति पर सौरभ अग्रवाल ने पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़?, राहुल गांधी, पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा, प्रदेश अध्यक्ष उदयभान, हरियाणा प्रभारी बीके हरिप्रसाद, जिला प्रभारी करण सिंह दलाल, सहप्रभारी अशोक बुवानीवाला का आभार जताया है। सौरभ अग्रवाल ने कहा कि पार्टी की नीतियों का प्रचार-प्रसार करने के साथ व्यापारियों को संगठन के साथ जोडने के लिए वे अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। संगठन ने उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी है। संगठन का कुनबा बढ़ाने के साथ अपने क्षेत्र में अधिक से अधिक लोगों को कांग्रेस पार्टी के साथ मजबूती से जोड़ा जाएगी।उन्होंने कहा कि व्यापारियों से संबंधित समस्याओं को प्रमुखता से उठाया जाएगा। सरकार की ओर से व्यापारियों, दुकानदारों के शोषण को लेकर भी जिला कांग्रेस कमेटी व्यापार मंडल सक्रिय भूमिका निभाएगा। मजबूत विपक्ष की भूमिका में आज कांग्रेस पार्टी हरियाणा में है। इसलिए हम सब मिलकर भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों का विरोध करेंगे।

मंदिर के प्रबंधन पर दो गांवों में टकराव, दानपात्र पर लगाया ताला

पलवल। जिले के हसनपुर थाना क्षेत्र के शेष साई गांव में स्थित प्राचीन लक्ष्मी नारायण मंदिर को लेकर विवाद खड़ा हो गया। शेष साई और बासवां गांव की एक ही पंचायत है, लेकिन दोनों का लाल डोरा अलग-अलग है। मंगलवार को सूचना पर पहुंची पुलिस ने नई कमेटी के सदस्यों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार मंदिर प्राचीन काल से शेष साई गांव के लोगों के प्रबंधन में था। शेष साई के लोग ही यहां पूजा-अर्चना करते आ रहे थे। अब बासवां गांव के लोगों ने मंदिर के लिए एक नई कमेटी बना ली है। उन्होंने मंदिर के दानपात्र पर ताला लगा दिया है। साथ ही मंदिर में बनी रसोई पर भी कब्जा कर लिया है। शेष साई गांव के लोगों ने इस कार्रवाई का विरोध किया है। उनका आरोप है कि बासवां के लोग गलत तरीके से मंदिर पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने मामले में हसनपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। हसनपुर थाना प्रभारी मलखान सिंह ने मंगलवार को जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस ने शिकायत के आधार पर नई कमेटी के सदस्यों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है, जांच शुरू कर दी गई है।

टेलीग्राम से धोखाधड़ी करने पर दो आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। टेलीग्राम के माध्यम से धोखाधड़ी करने के दो मामलों में साइबर थाना बल्लभगढ की टीम ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि साइबर थाना बल्लभगढ में आदर्श नगर निवासी एक व्यक्ति ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि उसको एक टेलीग्राम ग्रुप में जोडा गया तथा मर्चेंट अकांउट से टास्क पूरा करने के बारे में बताया और उसको डेल्टा एक्सचेंज नाम की ऐप का लिंक भेजा गया। जिस पर शिकायतकर्ता को टास्क दिए गए और शिकायतकर्ता द्वारा टास्क पूरा करने पर ठगों ने एक लाख 52 हजार 528 का भुगतान शिकायतकर्ता को किया। इसके बाद उसको अगले टास्क के रुपयों के लिए तीन मर्चेंट टास्क दिए, जिसमें पहला कार्य पांच हजार रुपए का था, जिस पर 6500 रुपए प्राप्त होने बताएं, दूसरा कार्य तीस हजार 120 रुपए का था, इसके बदले में 42 हजार 168 रुपए मिलने बताए गए, तीसरा कार्य एक लाख 9 हजार 950 रुपए का था, जिसके बदले एक लाख 53 हजार 930 रुपए मिलने बताएं और अंतिम चौथा कार्य दो लाख छह हजार रुपए का होगा, जिसके बदले में छह लाख आठ हजार रुपए मिलने बारे कहा गया। पैसे के लालच में आकर शिकायतकर्ता ने ठगों के खाते में चार लाख 80 हजार रुपए का भुगतान किया। जिसके बदले मे शिकायतकर्ता को कुछ नही, ऐसे करके शिकायतकर्ता से तीन लाख 22 हजार 472 रू का फ्राड हुआ।

बजट में हर वर्ग का रखा ख्यालः सतबीर सिंह पटेल

पलवल। हरियाणा सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट पर भाजपा नेता सतबीर सिंह पटेल ने मंगलवार को कहा कि राज्य सरकार के बजट को संतुलित और समावेशी बताया, जिसमें हर वर्ग के हितों का ध्यान रखा गया है। पटेल ने कहा कि इस बजट में गरीब, किसान, व्यापारी, युवाओं और महिलाओं के लिए कई योजनाओं का ऐलान किया गया है, जो प्रदेश के समग्र विकास में सहायक सिद्ध होंगे। भा.ज.पा. नेता ने विशेष रूप से किसानों के लिए सरकार की ओर से की गई घोषणाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस बजट में कृषि क्षेत्र के लिए किए गए ऐतिहासिक कदमों से हरियाणा के किसानों को बड़ी राहत मिलेगी। इसके अलावा, किसानों को सस्ते ब्याज पर ऋण की सुविधा और कृषि उपकरणों की खरीद के लिए सब्सिडी देने की योजना को भी सराहा। सतबीर सिंह पटेल ने युवाओं के लिए रोजगार सृजन और कौशल विकास कार्यक्रमों की घोषणा को भी सकारात्मक माना। उन्होंने कहा कि यह कदम प्रदेश के युवाओं को बेहतर रोजगार के अवसर प्रदान करेगा और राज्य में बेरोजगारी की समस्या को कम करने में मदद करेगा। महिलाओं के लिए विशेष योजनाओं का भी उन्होंने स्वागत किया। बजट में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई योजनाएं बनाई गई हैं, जिसमें छोटे कारोबारों को बढ़ावा देने के लिए वित्तीय सहायता शामिल है। पटेल ने राज्य सरकार की यह पहल की सराहना की कि इस बजट में हर वर्ग के लिए योजनाएं हैं, जो उनके जीवन स्तर को सुधारने में मदद करेंगी। उन्होंने कहा कि यह बजट हरियाणा के विकास की दिशा में एक अहम कदम है।

केंद्रीय मंत्री के पिता को पूर्व सीएम मनोहर लाल ने दी श्रद्धांजलि

गुरुग्राम। जिला के जमालपुर गांव में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के पिता स्वर्गीय कदम सिंह को श्रद्धांजलि देने के लिए केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने शिरकत की।

उन्होंने उनके पिता को श्रद्धासुमन अर्पित किए। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि पिता का जाना जीवन की सबसे बड़ी क्षति होती है। वे भले ही हमारे साथ नहीं होते, लेकिन उनकी सीख, उनके संस्कार और उनका आशीर्वाद सदैव ही हमारे साथ रहते हैं। उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में उनकी संवेदनाएं पूरे परिवार के साथ हैं। ईश्वर दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें।

नशे में धुत्त युवकों ने एक परिवार पर हमला किया

बल्लभगड़। नशे का सेवन कर रहे बदमाशों ने एक परिवार के सदस्यों पर लाठी डंडे से हमला कर दिया। मारपीट करने के बाद बदमाशों ने एक युवक को नाले में फैंक दिया। इस हादसे में परिवार के कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जिसमें महिला भी शामिल है। सभी को उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया। थाना तिगांव पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव बदरौला निवासी सुभाष चंद्र ने बताया कि 14 मार्च होली के दिन उनकी कालोनी में रहने वाले आदित्य तालाब के पास तीन- चार ल?कों के साथ बैठकर नशे का सेवन कर रहे थे। उस दौरान उनका बेटा पंकज वहां से गुजर रहा था। तभी आदित्य ने उनके बेटे के साथ गाली गलौज शुरू कर दी। जिसके चलते आदित्य ने उनके बेटे पंकज के साथ मारपीट कर उसको नाले में गिरा दिया। इस घटना की सूचना जब उनको पता चली ,तो वह अपनी पत्नी नीता के साथ पंकज को निकालने के लिए गए। पंकज को नाले से निकलने के बाद वह घर आ रहे थे। तभी उनके भाई अमर सिंह के घर के सामने पहुंचे तभी आरोपी आदित्य ,रोहतास, राहुल, शिवम, अमित, अजय, बृजेश ने उनके ऊपर दोबारा से लाठी डंडे से हमला कर दिया। इस हादसे में उनका बेटा रोहित और भतीजा करतार गंभीर रूप से घायल हो गए। करतार थाने में सूचना देने के लिए जा रहा था तभी आरोपी शिवम के उसको तिगांव रोड के नजदीक वाले शराब के ठेके के पास रास्ता रोक लिया और उसके सिर के ऊपर रोड से हमला कर दिया। इस हादसे में उनका भतीजा करतार गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसको उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया, वहीं अन्य को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया।

कार लूटने व रुपए ट्रांसफर कराने पर दो आरोपी गिरफ्तार

आरोपियों की पहचान सुरेंद्र उर्फ सलेंदर व सुमित उर्फ सन्नी उर्फ लंगड़ा निवासी गांव गुगाना

गुरुग्राम।

कार लोन रिकवरी करने वाले बताकर फर्जी तरीके से कार लूट ली गई। साथ ही उनसे रुपये ट्रांसफर करवा लिए गए। इस अपराध में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि यह घटना सेक्टर-109 में कंसेंट मॉल के पास की है।

पुलिस के अनुसार 11 मार्च को एक व्यक्ति ने थाना बजघेड़ा जिला गुरुग्राम में एक लिखित शिकायत दी। शिकायत में कहा कि वह 10 जनवरी को यह कंसेंट मॉल सेक्टर-109 गुरुग्राम के पास था। इसी दौरान एक व्यक्ति उसके पास आया। अपने आपको कार लोन रिकवरी विभाग के कर्मचारी बताते हुए उसकी कार में बैठ

गया। जिसके अन्य साथी एक अन्य कार में थे। उस व्यक्ति ने सेटलमेंट के लिए उससे 10 हजार रुपए मांगे। जिस पर उसने रुपए देने से मना कर दिया। इस दौरान उसे थप्पड़ मारे तथा उससे यह कहलवाया कि उसकी कार की किस्तें पेंडिंग हैं। वह अपनी गाड़ी उन्हें दे रहा है। जिसके बाद उन्होंने फोन पर उसे डरा धमकाकर 30/31 जनवरी 2025 को उससे लगभग 50 हजार रुपए ट्रांसफर करवा लिए। रुपए देने के बाद भी वह व्यक्ति गाड़ी नहीं लौटा रहा था। बहाने बनाता है। उन लोगों ने उसकी कार लूटी तथा डरा धमकाकर रुपए भी ट्रांसफर करवाए हैं। इस शिकायत पर थाना बजघेड़ा में केस दर्ज किया गया है।थाना बजघेड़ा के प्रबंधक निरीक्षक सुनील कुमार की पुलिस टीम ने तत्परता से कार्यवाही करते हुए 2 आरोपियों को काबू करने में सफलता हासिल की। आरोपियों की पहचान सुरेंद्र उर्फ सलेंदर व सुमित उर्फ सन्नी उर्फ लंगड़ा निवासी गांव गुगाना, जिला गुरुग्राम के रूप में हुई। पुलिस टीम द्वारा आरोपी सुरेंद्र को 17 मार्च 2025 को फर्रुखनगर से तथा आरोपी सुमित को वृंदावन से 18 मार्च 2025 को काबू करके गिरफ्तार किया। अब तक कुल 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। आरोपियों से पुलिस पूछताछ में पता चला है कि उनके एक अन्य साथी आरोपी के मोबाइल में एक ऐप है, जिसके माध्यम से इस गाड़ी को लोन पर लिया हुआ है। उस गाड़ी पूरी डिटेल सहित उसके द्वारा भुगतान की गई। वे लोन की किस्त व बकाया किस्त का विवरण हासिल कर लेते थे। जिस गाड़ी की किस्त बकाया होती, ये अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर उस गाड़ी को ढूंढ़ते। उस गाड़ी के मालिक को अपना परिचय लोन रिकवरी विभाग के कर्मचारी बताते हुए उससे गाड़ी लूट लेते ओर उसको धमकी देते हुए रुपए ट्रांसफर करवा लेते।

आसान और लाभकारी बिजनेस है मत्स्य पालन कॅरियर के हैं भरपूर अवसर

2 से 3 मिनट के बाद मछली के बच्चों को तालाब में डाल देना चाहिए। ध्यान रखने वाली बात यह है कि मछलियों की मात्रा तालाब में ना तो बहुत ज्यादा होना चाहिए और बहुत कम भी नहीं होनी चाहिए। आप तालाब में सही अनुपात में मछलियों का बीज डालें।

भारत भर में मत्स्य पालन एक जाना पहचाना व्यवसाय रहा है। कृषि से इसको जोड़कर जरूर देखा जाता रहा है, किंतु हकीकत में यह काफी उन्नत और लाभकारी व्यवसाय है। वर्तमान में कोरोनावायरस के कारण बड़ी संख्या में गांवों की ओर लोगों का पलायन हुआ है। कई लोगों को रोजगार की समस्या भी उत्पन्न हुई है, क्योंकि जमे जमाए व्यवसाय या फिर शहर में करने वाली नौकरी छूटने के बाद लोग गांव की ओर लौटे हैं। गांव में चूँकि अधिकतर लोगों के पास कम-अधिक जमीन होती ही है और ऐसी स्थिति में मत्स्य पालन उन सबके लिए एक लाभकारी व्यवसाय हो सकता है।

तालाब को ठीक से करें तैयार

अक्सर लोग किसी तालाब की खुदाई के बाद तुरंत ही मछली के बीज डाल देते हैं, लेकिन यह ठीक मेथड नहीं है। सबसे पहले तालाब की सफाई करने के बाद उसमें 200 किलो प्रति हेक्टेयर के हिसाब से चूने का छिड़काव जरूरी है। इसके अलावा महुए की खली और ब्लीचिंग पाउडर डालने से भी मछली पालन के लिए तालाब बेहतर कंडीशन में तैयार हो जाता है। यह सारा कार्य आप ठंड के मौसम में ही कर लें, ताकि ठंड का मौसम बीतते-बीतते मछली का बच्चा डालने योग्य आप का तालाब तैयार हो जाए। साथ ही तालाब में ढैंचा नामक घास भी बोया जाता है, ताकि बाद में वह खाद बन जाए और मछली पालन के लिए उपयुक्त रहे। यह तकरीबन 40 किलो प्रति हेक्टेयर के हिसाब से तालाब में बोया जाता है। साथ ही गोबर की खाद डालने से भी वनस्पति जल्दी उग जाती है। अगर समय पर तालाब में अच्छी घास नहीं होती है तो गोबर के साथ सुपर फास्फेट और यूरिया का घोल तालाब में डालना लाभकारी हो सकता है। हालांकि मछली का बीज डालने से काफी पहले ही यह कार्य करना चाहिए। मछली का बीज डालने के बाद खाद डालना खतरनाक हो सकता है। उपरोक्त कार्य करने के कम से कम 1 महीने बाद ही तालाब में पानी भरकर, ठंड का मौसम बीतने के बाद मछली का बीज डालें। साथ ही तालाब के पानी की गुणवत्ता और उस में ऑक्सीजन की ठीक मात्रा हो, इसके प्रति अतिरिक्त सजगता आवश्यक है।

मछलियों की ब्रीड पर खास ध्यान दें

अगर आपका तालाब ठीक ढंग से तैयार हो गया है, किंतु मछलियों के बीज आप सही ढंग से नहीं डालते हैं, तो आपके लिए यह लाभकारी नहीं रहेगा। मुख्य रूप से देशी और विदेशी ब्रीड की मछलियां लोग डालते हैं। इसमें देसी में रोहू, कतला, मृगल इत्यादि प्रचलित प्रजातियां हैं, तो विदेशियों में सिल्वर कॉर्प, ग्रास कार्प इत्यादि प्रमुख हैं। कई लोग जब बाहर से मछली लेकर आते हैं तो उसे एक दो परसेंट नमक के घोल में कुछ देरी के लिए रखते हैं, ताकि अगर मछली के बीज में कोई बीमारी है तो उसका असर कम हो जाए। हालांकि यह बहुत देर तक नहीं होना चाहिए और 2 से 3 मिनट के बाद मछली के बच्चों को तालाब में डाल देना चाहिए। ध्यान रखने वाली बात यह है कि मछलियों की मात्रा तालाब में ना तो बहुत ज्यादा होना चाहिए और बहुत कम भी नहीं होनी चाहिए। आप तालाब में सही अनुपात में मछलियों का बीज डालें। अगर एक या दो मछली आपके तालाब में मर जाती हैं, तो उसे तत्काल निकाल कर बाहर करें समय-समय पर बीज की वृद्धि और उसकी जांच करना आपको नुकसान से बचा सकता है। मछलियों के लिए यूं तो किसी विशिष्ट चारे की जरूरत नहीं होती है, खासकर तब जब आप का तालाब पुराना हो गया हो, किंतु चावल का आटा और मूंगफली की खली इत्यादि मछलियों को तेजी से बढ़ाती हैं। इसके अलावा प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और वसा युक्त चारे की मात्रा मछलियों के लिए पर्याप्त रूप से उपलब्ध हो, इसके प्रति भी सजग रहें। ध्यान दें मछली का बीज सही क्वालिटी का हो, तो सही मात्रा में भी अवश्य हो, अन्यथा बाद में मछलियां ठीक ढंग से बढ़ेंगी नहीं।

मार्केट को समझना जरूरी है

अब जब आपके पास मछली के बीज तैयार हो जाते हैं तो आसपास की मार्केट का एक अध्ययन जरूर करें और देखें कि आपके आसपास किस तरह की मछलियों की खपत ज्यादा होती है। लोग आखिर क्या खरीदते हैं?
ऐसे में जब आप मछली मार्केट जाएंगे, तो एक ग्राहक बनकर मछलियों की ब्रीड से लेकर उसकी कीमत तक का पता कर सकते हैं। उसी अनुरूप आप अपनी बिजनेस स्ट्रेटेजी बनाएं। अगर बड़ी मछलियों की खपत अधिक है, तब आपके तलाब में कम मछलियों का बीज रहना चाहिए, जबकि अगर छोटी मछलियों की खपत है तो तालाब में बीज अगर अधिक भी डालेंगे तो आपको फायदा ही होगा। कुल मिलाकर सही टाइम पर मछलियों को बेचना और सही व्यापारियों से संपर्क में रहना आपको लाभ दिला सकता है। कई बार मछली के व्यापारी आपके तालाब पर आकर खुद ही सारी मछलियां ले जाते हैं। हालांकि रेट में अगर ज्यादा डिफरेंस है तो आप मछलियों को खुद भी मार्केट तक पहुंचा सकते हैं।
इसके अलावा कुछ और बातों का ध्यान रखना जरूरी है। जैसे मछलियों की ग्रेडिंग करना आवश्यक है। मतलब अगर आपके तालाब में कुछ मछलियां बड़ी हो गई हैं और कुछ मछलियां छोटी हैं, तो बड़ी मछलियों को या तो निकाल कर दूसरे तालाब में डालें या उन्हें मार्केट में भेज दें, क्योंकि बड़ी मछलियों का आहार अधिक होगा और वह छोटी मछलियों का चारा भी खा जाएंगी। इसलिए मछलियों की ग्रेडिंग करना आवश्यक है ताकि मछलियों की ग्रोथ में एक निरंतरता रहे। साथ ही मछलियों में इंटरनल और एक्सटर्नल बीमारी के प्रति सजग रहें, अन्यथा आपको पता भी नहीं चलेगा कि कब आपकी पूँजी भारी नुक्सान में बदल गयी। इसके अलावा नई नई जानकारियां आप भिन्न माध्यमों से लेते रहें और अलग-अलग मछली पालकों के संपर्क में रहें। ऐसे में नई चीजें आपको पता चलेंगी।

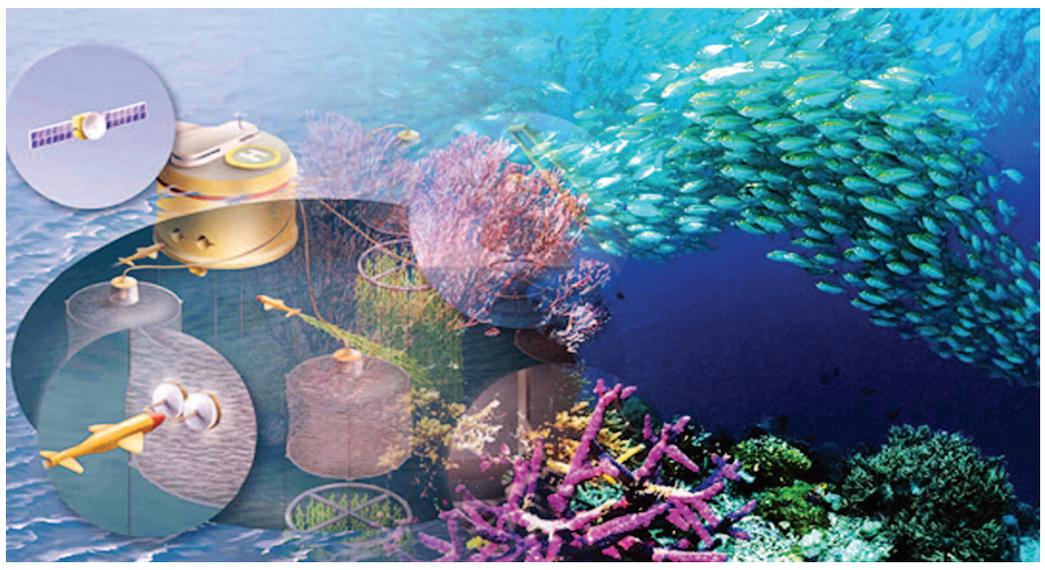

बहुत क्रिएटिव कॅरियर है कार एसेसरीज डिजाइनिंग

एक कार एसेसरीज डिजाइनर बनने के लिए डिजाइन के प्रासंगिक विशेषज्ञता में कम से कम स्नातक की डिग्री होना अनिवार्य है। आप बैचलर ऑफ डिजाइन, बीएससी इन डिजाइन, बैचलर ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, बी डीएस इन ऑटोमोटिव डिजाइन करके इस क्षेत्र में कदम रख सकते हैं।

कार एसेसरीज डिजाइनिंग एक ऐसा कॅरियर क्षेत्र है, जिसके बारे में बेहद कम लोगों को ही जानकारी होती है। लेकिन यह एक ऐसा क्रिएटिव कॅरियर क्षेत्र है, जिसमें ग्रोथ की संभावना बहुत अधिक है। यह एक ऑटोमोबाइल डिजाइनर के काम का एक हिस्सा है, लेकिन यह केवल कारों और इसके सामान के लिए पूरा करता है। कार एक्सेसरी डिजाइनर ऐसे व्यक्ति हैं जो कार एक्सेसरीज और पार्ट्स के लिए नए डिजाइन बनाते हैं। वे न केवल देखभाल की संरचना में सुधार करते हैं, बल्कि इसकी कार्यक्षमता भी बढ़ाते हैं। ऐसा करते समय, एक कार एक्सेसरी डिजाइनर को वाहन की सुरक्षा को ध्यान में रखना चाहिए और दिए गए मापदंडों के तहत काम करना चाहिए। तो चलिए आज हम आपको इस कॅरियर क्षेत्र के बारे में विस्तारपूर्वक बता रहे हैं-

क्या होता है काम

एक कार एसेसरीज डिजाइनर तीन क्षेत्रों में से एक में काम करते हैं- इंटीरियर डिजाइनिंग, एक्सटीरियर डिजाइनिंग या कलर और ट्रिम डिजाइन। वे ड्राइंग, मॉडल और प्रोटोटाइप का उपयोग करके कार एक्सेसरी पार्ट्स, असेंबली और सिस्टम के ड्राफ्टिंग डिजाइन बनाते हैं। उनका मुख्य काम होता है कि वे कार को विजुअली अधिक अपीलींग बनाएं।
स्किल्स - कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि एक कार एसेसरीज डिजाइनर को हाइड्रोलिक, इलेक्ट्रिक और मैकेनिकल सिस्टम के बारे में विस्तृत जानकारी होनी चाहिए जो वाहन में उपयोग होने जा रहे हैं। इसके अलावा उन्हें ग्राहक की पूरी आवश्यकता को समझना चाहिए और डिजाइन और इसके उत्पादन के उपयोग के बारे में बड़े पैमाने पर शोध करना चाहिए। उनके भीतर कुछ अलग व हटकर सोचने की क्षमता होनी चाहिए। साथ ही कंप्यूटर व कार का तकनीकी ज्ञान उनके काम को अधिक आसान बनाता है।
योग्यता - एक कार एसेसरीज डिजाइनर बनने के लिए डिजाइन के प्रासंगिक विशेषज्ञता में कम से कम स्नातक की डिग्री होना अनिवार्य है। आप बैचलर ऑफ डिजाइन, बीएससी इन डिजाइन, बैचलर ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, बी डीएस इन ऑटोमोटिव डिजाइन करके इस क्षेत्र में कदम रख सकते हैं। जिस विश्वविद्यालय या कॉलेज से उम्मीदवार अपनी डिग्री हासिल करता है, उसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा मान्यता प्राप्त होना चाहिए।
आमदनी - कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि इस क्षेत्र में आमदनी आपके अनुभव व क्रिएटिविटी के आधार पर बढ़ती जाती है। हालांकि एक कार एसेसरीज डिजाइनर की एवरेज सालाना सैलरी सात से आठ लाख के बीच होती है।

प्रमुख संस्थान

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नवी मुंबई
नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद
एरिना एनिमेशन, बैंगलोर
नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, बैंगलोर
फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट, नोएडा
नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली
नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, चेन्नई
वीआईडीएम इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन एंड मैनेजमेंट, नई दिल्ली
वाईएमसीए इंस्टीट्यूट फॉर ऑफिस मैनेजमेंट, नई दिल्ली

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट में कॅरियर बनाने के लिए क्या करें?

कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया लक्ष्यों और उद्देश्यों को स्थापित करने के साथ शुरू होती है। यह कार्य थोड़ा कठिन हो सकता है, जब व्यक्ति के पास कॅरियर के अवसरों और उनकी प्रतिभा और क्षमताओं के बारे में पूरी जानकारी नहीं होती है।
ऑपरेशन्स मैनेजमेंट आपके भविष्य के कॅरियर के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए संसाधनों के निवेश की एक लंबी प्रक्रिया है। कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया विभिन्न अवधारणाओं को अपनाती है, जैसे- आत्म-जागरूकता, कॅरियर विकास योजना और करियर अन्वेषण, जीवन भर सीखने की क्षमता और नेटवर्किंग। कॅरियर में अर्ध-कुशल से लेकर कुशल और अर्ध पेशेवर से पेशेवर तक के सभी प्रकार के रोजगार शामिल हैं। कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया लक्ष्यों और उद्देश्यों को स्थापित करने के साथ शुरू होती है। यह कार्य थोड़ा कठिन हो सकता है, जब व्यक्ति के पास कॅरियर के अवसरों और उनकी प्रतिभा और क्षमताओं के बारे में पूरी जानकारी नहीं होती है। हालांकि, पूरी करियर प्रबंधन प्रक्रिया परिभाषित लक्ष्यों और उद्देश्यों की स्थापना पर ही आधारित होती है।

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट का मुख्य उद्देश्य

सामान्य शब्दों में परिचालन प्रबंधन किसी संगठन के लाभ को अधिकतम करने के उद्देश्य से एक कुशल तरीके से सामग्रियों और श्रम को वांछित वस्तुओं और सेवाओं में परिवर्तित करने से संबंधित है। यह उपलब्ध संसाधनों की खरीद और उपयोग करके उत्पादन को अधिकतम करता है, जिसमें कच्चे माल, उपकरण, प्रौद्योगिकी, सूचना और अन्य क्षेत्र शामिल हैं। उत्पादन की प्रक्रिया की योजना, डिजाइनिंग, आयोजन, नियंत्रण और अनुकूलन के साथ इसका अधिक सम्बन्ध होता है। संचालन प्रबंधन यह सुनिश्चित करता है कि एक इकाई कुशलतापूर्वक और सफलतापूर्वक इनपुट को आउटपुट में कैसे बदल देती है। यह स्पष्ट है कि संचालन प्रबंधन डिलीवरी ओरिएंटेड होता है। हालांकि, संचालन प्रबंधन को लॉजिस्टिक्स प्रबंधन के समान नहीं माना जाना चाहिए। संचालन प्रबंधन व्यापक है और लॉजिस्टिक्स प्रबंधन इसका एक हिस्सा है। लॉजिस्टिक्स प्रबंधन किसी अभियान, योजना, परियोजना या रणनीति के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए श्रमिकों, सामग्री और अन्य संसाधनों की खरीद, निष्पादन और नियंत्रण की योजना बनाता है। विनिर्माण और सेवा संगठनों दोनों को ही संचालन प्रबंधन के कार्य की आवश्यकता होती है, जो एक प्रक्रिया को शुरू से लेकर अंत तक कवर करता है। सदियों से विनिर्माण उद्योग फल-फूल रहे हैं। अब सेवा क्षेत्र में तेजी के साथ परिचालन प्रबंधकों के लिए अवसर कई गुना बढ़ गए हैं।

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट में करियर बनाने के लिए क्या करें?

अन्य विषयों की तरह प्रबंधन शिक्षा में भी कई विषय होते हैं। प्रबंधन के छात्रों को प्रबंधन के सभी प्रमुख विषयों के अवलोकन के साथ संयुक्त रूप से सामान्य प्रबंधन के तहत विषयों और सिद्धांतों से गुजरना पड़ता है। हालांकि, दो साल की स्नातकोत्तर डिग्री या डिप्लोमा में प्रबंधन की एक विशेष शाखा में विशेषज्ञता का प्रावधान है। प्रबंधन की प्रसिद्ध शाखाओं में विपणन, वित्त, मानव संसाधन आदि शामिल हैं। संचालन प्रबंधन के लिए आपको निम्नलिखित कौशल की आवश्यकता होती है :

- नेतृत्व
- नीति, योजना और रणनीति की समझ
- नीतियों और प्रक्रियाओं को विकसित करने, लागू करने और समीक्षा करने की क्षमता
- बजट, रिपोर्टिंग, योजना और लेखा परीक्षा की देखरेख करने की क्षमता
- आवश्यक कानूनी और नियामक दस्तावेजों की समझ

इसके साथ-साथ आपको इन बातों पर भी ध्यान देने की आवश्यकता होती है :

- सुनिश्चित करें कि आप सही मेट्रिक्स पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं
- मुख्य समस्याओं को पहचानने के लिए हमेशा डेटा का उपयोग करें
- नवीनतम प्रौद्योगिकी के साथ अप-टू-डेट रहने में विश्वास करें
- स्वचालन से पहले प्रक्रियाओं पर ध्यान दें
- ध्यान से लोगों के साथ कम्यूनिकेट करें

ऑपरेशन्स मैनेजर बनने के लिए आवश्यकता योग्यता

संचालन प्रबंधक के संबंधित क्षेत्र में कम से कम स्नातक की डिग्री की आवश्यकता होती है। व्यवसाय प्रशासन में स्नातक की डिग्री के साथ, छात्रों को ज्ञान और विपणन योग्य कौशल विकसित करना होता है, जिसे वे अपने कॅरियर के दौरान बना सकते हैं। इसके अलावा, एक संचालन प्रबंधक होने के लिए, किसी के पास मजबूत नेतृत्व और पारस्परिक कौशल, शानदार संचार और ग्राहक की आवश्यकताओं की समझ होनी चाहिए। संचालन प्रबंधक बनने के लिए शैक्षणिक योग्यता निम्नलिखित है :

विषय संयोजन- किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12 वीं कक्षा में कोई भी स्ट्रीम
उम्मीदवारों के पास 10 + 2 + 3 प्रणाली के माध्यम से योग्यता और किसी भी विषय में न्यूनतम 50% अंकों से उत्तीर्ण के साथ किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री होनी चाहिए
उम्मीदवारों के पास ऑपरेशंस मैनेजमेंट में एमबीए (ऑपरेशंस) या पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन ऑपरेशनल मैनेजमेंट में मास्टर्स डिग्री का भी बहुत महत्त्व होता है

ऑपरेशन्स मैनेजर के जॉब रोल्स

सप्लाई चेन मैनेजर
एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस मैनेजर
प्लांट मैनेजर ह्यूमन रिसोर्सेज मैनेजर
परचेस मैनेजर फैसिलिटी मैनेजर
इन्वेंटरी कण्ट्रोल मैनेजर

रोजगार के अवसर

एक ऑपरेशन मैनेजर के रूप में इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने की इच्छा रखने वालों के लिए रोजगार के ढेरों अवसर होते हैं। सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में संचालन प्रबंधकों के लिए बहुत स्कोप है। कुछ शीर्ष क्षेत्र इस प्रकार हैं :

स्वास्थ्य कॉर्पोरेट व्यवसाय
बहुराष्ट्रीय कंपनियां हॉस्पिटैलिटी
विनिर्माण और खुदरा वित्तीय संस्थाए
बीमा क्षेत्र सूचना प्रौद्योगिकी
ई-कॉमर्स वेयरहाउसिंग
निर्माण सलाहकारी फर्में

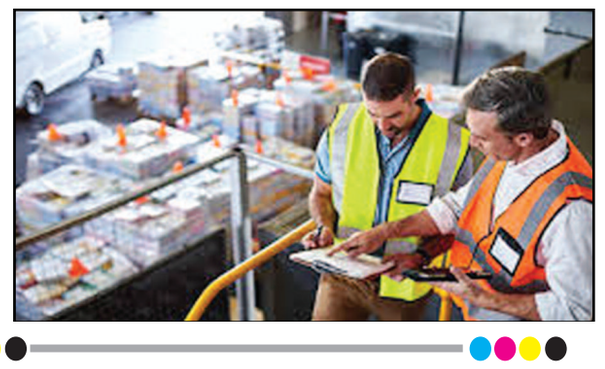

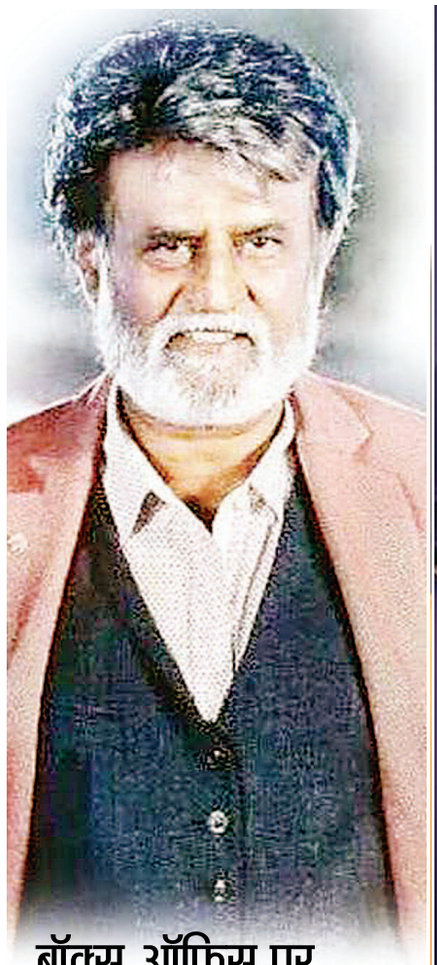

बॉक्स ऑफिस पर नहीं होगी वॉर 2-कुली के बीच टक्कर, ऋतिक की फिल्म को रास्ता देंगे रजनीकांत?

लोकेश कनगराज द्वारा निर्देशित रजनीकांत की आगामी एक्शन फिल्म कुली इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। इस फिल्म के जरिए अभिनय और निर्देशक की जोड़ी पहली बार साथ काम कर रही है और फैंस फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वहीं, हाल ही में आई खबरों में बताया गया कि इस फिल्म की रिलीज ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर अभिनीत वॉर 2 से बॉक्स ऑफिस पर टकरा सकती है।

बॉक्स ऑफिस पर भिड़ेंगी फिल्में?

दोनों फिल्मों की रिलीज को लेकर सामने आ रहीं खबरों से संकेत मिलता है कि दोनों बड़े बैनर की फिल्में एक ही स्वतंत्रता दिवस सप्ताहांत रिलीज पर नजर गड़ाए हुए हैं। अगर टकराव होता तो इससे दोनों फिल्मों के बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन पर काफी असर पड़ सकता था। हालांकि, अब फिल्मों को लेकर ताजा खबर है कि रिलीज की तारीखों के टकराव को टाल दिया गया है।

कब-कब रिलीज होंगी दोनों फिल्में

कई चर्चाओं के बाद दोनों फिल्मों के निर्माता फिल्मों को अलग-अलग सप्ताहांत पर रिलीज करने के लिए सहमत हो गए हैं। आंध्र बॉक्स ऑफिस डॉट कॉम के अनुसार, अगर वॉर 2 अगस्त 2025 में स्वतंत्रता दिवस के सप्ताहांत पर रिलीज होती है तो कुली उस दिन रिलीज नहीं होगी। रिलीज शेड्यूल पर आगे की बातचीत अभी भी जारी है।

फिल्म के कलाकार

इस बीच दावा किया गया है कि रजनीकांत की कुली के निर्माता पूरे भारत में फिल्म की सफल रिलीज के लिए वितरकों की तलाश कर रहे हैं। इसके साथ ही हाल ही में फिल्म की टीम ने निर्देशक लोकेश कनगराज का जन्मदिन सेट पर मनाया। इस जश्न की कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए। कुली में नागार्जुन अक्किनेनी , सत्यराज, श्रुति हासन, उपेंद्र, शौबिन शाहिर और अन्य सहित कई कलाकार हैं।

पूजा हेगड़े ने पहली बार तमिल फिल्म के लिए की डबिंग, रेट्रो में डबल धमाका करेंगी अभिनेत्री

पूजा हेगड़े कभी तेलुगु सिनेमा में सबसे ज्यादा पैसे पाने वाली अभिनेत्री थीं और उन्होंने कई बड़े अभिनेताओं के साथ काम किया था। हालांकि, जब से उन्होंने महेश बाबू की गुंटूर कारम छोड़ी है, तब से उन्हें टॉलीवुड में कोई नया प्रस्ताव नहीं मिला है, लेकिन तमिल सिनेमा में ऐसा नहीं है, जहां उन्हें लगातार बड़ी फिल्में मिल रही हैं। अब अभिनेत्री से जुड़ी नई खबर सामने आई है।

फिल्म की शूटिंग जल्द पूरी होगी

पूजा की अगली बड़ी फिल्म रेट्रो है, जिसमें सुपरस्टार सूर्या मुख्य भूमिका में हैं और कार्तिक सुब्बाराज द्वारा निर्देशित है। यह सूर्या के साथ पूजा हेगड़े की पहली फिल्म है और नेटफ्लिक्स ने एक्शन ड्रामा के ओटीटी अधिकार हासिल कर लिए हैं। कुछ महीने पहले रिलीज हुए टीज़र में पूजा को पारंपरिक अवतार में दिखाया गया था और सूर्या के साथ उनकी केमिस्ट्री को काफी सराहा गया था। रिपोर्ट्स के अनुसार, रेट्रो में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है, जिसकी शूटिंग पूरी होने वाली है।

खुद डबिंग कर रही हैं पूजा

अभिनेत्री को लेकर ताजा अपडेट है कि पूजा हेगड़े ने पहली बार तमिल में रेट्रो में खुद के लिए डबिंग की है। इससे पहले उनकी आवाज को दूसरों द्वारा डब किया गया था। हाल ही में एक इंटरव्यू में पूजा हेगड़े ने इस बात पर हैरानी जताई कि कार्तिक सुब्बाराज ने उन्हें लीड रोल के लिए अप्रोच किया। उन्होंने बताया, जब कार्तिक सर ने मुझे रेट्रो का ऑफर दिया तो मैं चौंक गई। यह रोल मेरी आम इमेज से बिल्कुल अलग है और मुझे इस रोल के लिए चुने जाने पर बहुत गर्व महसूस हुआ। मुझे पता था कि मुझे इसके लिए अपना सब कुछ देना होगा।

इस दिन रिलीज होगी फिल्म

ज्योतिका और सूर्या द्वारा अपने होम बैनर तले निर्मित रेट्रो 1 मई, 2025 को स्क्रीन पर आने के लिए तैयार है। फिल्म को लेकर निर्देशक कार्तिक सुब्बाराज ने खुलासा किया कि सूर्या आखिरी आउटपुट से बहुत खुश थे और पूजा हेगड़े का प्रदर्शन भी उन्हें काफी पसंद आया। वहीं, अभिनेत्री की आने वाली फिल्मों के बारे में बात करें तो पूजा हेगड़े कुली में एक विशेष भूमिका निभाएंगी और कंचना 4 और जन नायकन में मुख्य भूमिका निभाएंगी। इसके अलावा उन्होंने है जवानी तो इश्क होना है नाम की एक बॉलीवुड प्रोजेक्ट भी साइन किया है।

तमन्ना भाटिया ने बताया, क्यों खास है फिल्म 'ओडेला 2'

बॉलीवुड एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'ओडेला 2' के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि यह फिल्म सुपरनेचुरल बैकड्रॉप और आध्यात्मिक पहलू के साथ बनाई जा रही है। एक्ट्रेस ने यह भी कहा है कि यह फिल्म आज के समाज में आने वाली समस्याओं पर केंद्रित होगी। ओडेला 2 के बारे में बात करते हुए तमन्ना ने बताया, यह एक फैंटेसी मूवी है और इसे थिएटर में देखना अनुभव शानदार है। इसमें सुपरनेचुरल बैकड्रॉप और थोड़ा सा आध्यात्मिक पहलू भी है। इन सभी चीजों ने मुझे बहुत आकर्षित किया। अभिनेत्री ने कहा कि उन्हें ऐसी फिल्में पसंद हैं क्योंकि वे लार्जर दैन लाइफ होती हैं। उन्होंने कहा, मुझे इस तरह का सिनेमा पसंद है, क्योंकि बचपन में मुझे ऐसी फिल्में पसंद थीं, जो लार्जर दैन लाइफ होती हैं और आपको एक अलग दुनिया में ले जाती हैं। मुझे पता चला कि फिल्म का टीजर पहली बार काशी में लॉन्च किया गया था।

उन्होंने आगे बताया कि फिल्म आज के समय की समस्याओं पर केंद्रित है। एक्ट्रेस ने कहा, यह आज हमारे लिए कुछ हद तक प्रासंगिक है, यह उन मुद्दों और समस्याओं से संबंधित है, जिनका हम आज एक समाज के रूप में सामना करते हैं। यह अंत में आपको बहुत बड़ा और सशक्त संदेश देती है। तमन्ना ने कहा, मुझे लगता है कि फिल्मों को ऐसा ही करना चाहिए। उन्हें आपको उम्मीद देनी चाहिए, क्योंकि यही कारण है कि मैंने एक्ट्रेस बनने का निर्णय लिया। मैं एक्ट्रेस इसलिए बनी, क्योंकि इसने मुझे आशावादी बनाया। यह फिल्म भी लोगों को यही एहसास दिलाएगी।

बता दें कि ओडेला 2 अशोक तेजा द्वारा निर्देशित एक थ्रिलर फिल्म है। फिल्म में तमन्ना भाटिया, हेबाह पटेल, वशिष्ठ एन. सिम्हा भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसके साथ ही नागा महेश, वामसी, गगन विहारी, सुरेंदर रेड्डी, भूपाल और पूजा रेड्डी भी अहम किरदारों में हैं।

वेंकट प्रभु की पैन इंडिया फिल्म में काम करेंगे अक्षय कुमार?

अक्षय कुमार हाल ही में स्काई फोर्स में नजर आए थे, जिसे प्रशंसकों और आलोचकों से मिलीजुली प्रतिक्रिया मिली थी। इस बीच अभिनेता को लेकर नई खबर सामने आई है कि एक नई पैन इंडिया फिल्म उनके हाथ लगी है। खबर है कि अक्षय अपनी अगली फिल्म के लिए निर्देशक वेंकट प्रभु के साथ सहयोग करने पर विचार कर रहे हैं। वेंकट प्रभु ने इससे पहले विजय के साथ द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम में काम किया था। रिपोर्ट्स के अनुसार, वेंकट ने हाल ही में अभिनेता को एक स्क्रिप्ट सुनाई और कहा जाता है कि वह कहानी से खुश हैं। अगर सब कुछ सही रहा और फिल्म पर बात बन गई तो जल्द ही इसकी शूटिंग भी शुरू हो जाएगी।

'खूबसूरत' सी कॉमेडी फिल्म बनाना चाहते हैं विवेक रंजन

'द कश्मीर फाइल्स', 'वैक्सीन वॉर' हो या अपकमिंग 'द दिल्ली फाइल्स', निर्माता-निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री अक्सर गंभीर विषयों पर आधारित फिल्मों का निर्माण करते आए हैं। हालांकि, उन्होंने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में अपने दिल की बात कही। उन्होंने कॉमेडी फिल्म बनाने की इच्छा जाहिर की। कहा कि वह एक ऐसी कॉमेडी फिल्म बनाना चाहते हैं, जो साफ-सुथरी और फूहड़ता से दूर हो। विवेक रंजन अग्निहोत्री ने बताया कि वह गंभीर विषयों पर फिल्म बनाते रहे हैं लेकिन उन्हें कॉमेडी फिल्में देखना बहुत पसंद है और वह ऐसी फिल्म बनाने की भी इच्छा रखते हैं। उन्होंने कहा, मैं गंभीर फिल्में बनाता हूं। गंभीर इसलिए क्योंकि वे राजनीतिक पृष्ठभूमि की होती हैं लेकिन मैं खुद बहुत ज्यादा कॉमेडी, ड्रामा और थ्रिलर देखता हूं। मुझे कॉमेडी फिल्में पसंद हैं। दरअसल, यह मेरी जिंदगी का एक मिशन था कि मैं भारत की डेमोक्रेसी के तीनों स्तंभ सत्य, न्याय और जिंदगी पर एक फिल्म बनाऊं। 'ताशकंद फाइल्स' - सत्य, 'द कश्मीर फाइल्स' - न्याय पर थी और अब दो भाग में 'द दिल्ली फाइल्स- बंगाल चैप्टर' आ रही है, जिसका संबंध जिंदगी से है और अब यह पूरा भी हो चुका है। अग्निहोत्री ने बताया कि गंभीर विषयों पर फिल्में बनाने के बाद अब वह साफ-सुथरी कॉमेडी फिल्म बनाना चाहते हैं, जिसमें अश्लीलता या फूहड़ता न हो। उन्होंने कहा, आप पुराने समय की फिल्मों को ले लीजिए, मैं वैसी फिल्में बनाना चाहता हूं, मैं 'पड़ोसन', 'चलती का नाम गाड़ी', 'अंगूर' और ऋषिकेश मुखर्जी की फिल्म 'खूबसूरत' जैसी फिल्म बनाने की मंशा रखता हूं। द दिल्ली फाइल्स बनाने का विचार कैसे आया? इस सवाल पर उन्होंने कहा, पूरी दुनिया में हम ही एक ऐसी कम्युनिटी हैं, जो गुलामी की जंजीर में रहे और हमें प्रताड़ित किया गया। हमें हमेशा से सिखाया गया कि अपने गुस्से को कंट्रोल करना चाहिए, उसे प्रकट करने से बचना चाहिए और पूरी दुनिया यही सिखाने में लगी हुई है कि मानवता क्या है? लेकिन आज की पीढ़ी को बंगाल या डायरेक्ट एक्शन डे की सच्चाई से अवगत कराना जरूरी है। फिल्म में बंगाल की आज की स्थिति को भी दिखाया गया है। ये फिल्म सार्थक जरूर होगी क्योंकि देखकर लोगों के मन में ये जरूर आएगा कि बंगाल अलग नहीं, ये हमारे देश का ही एक हिस्सा है। विवेक रंजन अग्निहोत्री ने फिल्मों को लेकर दर्शकों की पसंद पर भी बात की। उन्होंने कहा, दर्शक के पास आज के समय में चॉइस कम है। हम जो फिल्में उन्हें देते हैं, वो उसी में से चयन करते हैं, फिर वो अच्छी हो या खराब। मुझे लगता है कि भारतीय कहानियों या आम लोगों से संबंधित विषय को आप जब अच्छे कलाकारों के साथ बनाएंगे तो वह चलेंगी ही। आप जब अजीब सी कहानियों को केवल बॉलीवुड कलाकारों के बच्चों के साथ ही बनाएंगे तो वह कहानी कैसे चलेगी? आम दर्शकों को अब ऐसी कहानियों का लोभ ही नहीं रह गया है।

ब्रह्मास्त्र 2 पर रणबीर ने दिया अपडेट

अमिताभ बच्चन, रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की फिल्म ब्रह्मास्त्र- पार्ट वन- शिवा ने 2022 में बॉक्स ऑफिस पर 257.44 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। फिल्म के आखिर में इसके सीक्वल ब्रह्मास्त्र- पार्ट टू - देव की घोषणा की गई थी, लेकिन इसके बाद कोई खास अपडेट नहीं आया।

हाल ही में आलिया की बर्थडे पार्टी में रणबीर ने मीडिया से बातचीत के दौरान ब्रह्मास्त्र 2 को लेकर बड़ा खुलासा किया।

रणबीर ने कहा, ब्रह्मास्त्र 2 डायरेक्टर अयान मुखर्जी का लंबे समय से सपना रहा है। पूरी कहानी उनके दिमाग में तैयार है। अभी वह वॉर 2 में व्यस्त हैं। जैसे ही यह फिल्म रिलीज होगी, वह ब्रह्मास्त्र 2 की तैयारी शुरू करेंगे। उन्होंने आगे कहा, यह फिल्म जरूर बनेगी। हमने अभी तक इस फिल्म को लेकर ज्यादा कुछ नहीं कहा है, लेकिन जल्द ही इसके बारे में मजेदार घोषणाएं की जाएंगी।

संजय लीला भंसाली की भी जमकर तारीफ की

रणबीर ने अपनी दूसरी फिल्म लव एंड वॉर के बारे में भी बात की। यह संजय लीला भंसाली के साथ उनकी दूसरी फिल्म होगी। उनकी पहली फिल्म सांवरिया थी, जो 17 साल पहले रिलीज हुई थी। भंसाली के साथ काम करने का अनुभव साझा करते हुए रणबीर ने कहा, उनके साथ काम करना खास है। मैंने ऐसा मेहनती इंसान नहीं देखा। वह किरदार, भावनाएं, संगीत और भारतीय संस्कृति को बखूबी समझते हैं। उनके सेट पर काम थकाने वाला और लंबा होता है, लेकिन एक कलाकार के तौर यह संतुष्टि देता है। वह कला को निखारते हैं।

इन फिल्मों में दिखेंगे रणबीर

लव एंड वॉर में रणबीर के साथ विक्की कौशल भी लीड रोल में होंगे। यह फिल्म मार्च 2026 में रिलीज होगी। इसके अलावा रणबीर के पास रामायण और एनिमल 2 जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स भी हैं। वहीं, आलिया भट्ट जल्द ही अल्फा में नजर आएंगी, जो इस साल क्रिसमस पर रिलीज होगी।

एक्टर आदर्श गौरव ने किया सामंथा रुथ प्रभु का शुक्रिया

फिल्म खो गए हम कहां में नजर आए एक्टर आदर्श गौरव साउथ इंडस्ट्री में डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। वह एक हॉरर फिल्म में नजर आएंगे। हालांकि, फिल्म का नाम अभी तक सामने नहीं आया है। अब एक इंटरव्यू में आदर्श ने सामंथा रुथ प्रभु का शुक्रिया अदा किया है। उन्होंने कहा कि वह हमेशा से तेलुगु फिल्मों में काम करना चाहते थे, लेकिन समझ नहीं पा रहे थे कि कैसे शुरुआत करें। ऐसे में सामंथा ने उन्हें रास्ता दिखाया। आदर्श गौरव ने कहा, तेलुगु मेरी मातृभाषा है। मैं हमेशा से साउथ इंडस्ट्री में काम करना चाहता था, लेकिन समझ नहीं आ रहा था कि शुरुआत कैसे करूं। मुझे कोई सही रास्ता नहीं मिल रहा था। लेकिन जब मैं वेब सीरीज सिटाडेल की आफ्टर पार्टी में गया, तब मुझे वहां सामंथा रुथ प्रभु मिलीं। मैं उनसे कहा कि मुझे तेलुगु फिल्मों में काम करना है। लेकिन समझ नहीं आ रहा कि कैसे शुरू करूं?

आदर्श ने आगे कहा, उन्होंने मुझसे कहा था, तुम वहां जाकर कुछ मीटिंग्स क्यों नहीं करते? मैं तुम्हारी मदद करूंगी। इसके बाद उनके बिजनेस पार्टनर और मैनेजर ने मुझे बहुत सारे लोगों से मिलवाया और फिर मुझे साउथ की मूवी मिली। आदर्श की मानें तो उनकी फिल्म एक मल्टी-जॉनर स्क्रिप्ट है। उनका कहना है कि यह एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर और हॉरर फिल्म है, लेकिन इसके साथ ही यह एक डार्क कॉमेडी भी है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक अमृता आर पंडित द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, बी- 868, न्यू अशोक नगर दिल्ली 110096 से मुद्रित तथा ए-115, गली नंबर 13, नई अशोक नगर, दिल्ली 110096 से प्रकाशित।
संपादक - अमृता आर पंडित, मो 8587969284, Mail ID - live18newsnetworktv@gmail.com सभी विवादों के न्याय क्षेत्र दिल्ली न्यायालय में होगा।